दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
मुरादाबाद से प्रकाशित
RNI NO- UPBIL/2021/83001
वर्ष :- 03 अंक :- 86 मुरादाबाद, 15 July 2023 (Saturday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999 में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

आम महोत्सव 2023 : सीएम योगी ने किया उद्घाटन, बोले- यूरोप का बाजार कर रहा यूपी के आम का इंतजार, गुणवत्ता बढ़ाएं

सीएम योगी ने जाना पीड़ितों का हाल, बांटी राशन किट, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई निरीक्षण

•आम महोत्सव 2023 का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया उद्घाटन

सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को सहारनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने बाढ़ से प्रभावित हुए पीड़ितों का हाल जाना और उन्हें राशन किट बांटी। इस दौरान सीएम योगी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण भी किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले सरसावा एयरपोर्ट पर पहुंचे। वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए चिलकाना पहुंचे। यहां पर बाढ़ पीड़ितों को राशन किट का वितरण कर उनका हाल जाना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का हवाई निरीक्षण भी किया।चिलकाना से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहारनपुर की पुलिस लाइन में हेलीकॉप्टर से आएंगे और इसके बाद जेवी जैन डिग्री कॉलेज में बनाए गए राहत शिविर में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात करेंगे। जिला प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से जेवी जैन डिग्री कॉलेज को पूरी तरह से बंद कर दिया है। पुलिस लाइन में जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र, एसएसपी विपिन ताडा और अन्य जिला प्रशासनिक अधिकारी मौजूद हैं। बताया गया कि सभी अधिकारी मुख्यमंत्री का इंतजार कर रहे हैं। वहीं भाजपा के कुछ पदाधिकारी भी पुलिस लाइन में मौजूद हैं, जिसमें देवबंद से विधायक एवं मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, विधायक कीरत सिंह शामिल है। सीएम अवध शिल्प ग्राम में आयोजित आम महोत्सव में संबोधन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 1000 वैरायटी के आम उत्पादित होते हैं ।उत्तर प्रदेश में केवल उत्तर प्रदेश की जनता ही नही बल्कि पूरे देश के साथ विश्व भर के देशों में मांग पूरी करने में सफल हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रूस में उत्तर प्रदेश के आमों की काफी मांग है। वहां पर 800 सौ रुपये प्रति किलो आम बिक रहा है। यहां से कार्गो के माध्यम से आम भेजने में 190 रुपये का खर्च आता है। यानी कोई किसान अगर रूस में आम भेजेगा तो उसे 600 रुपये से ज्यादा का नेट प्रॉफिट होगा। हमें यहां के आमों को दुनिया के कोने-कोने में पहुंचाना है। यूरोप के बाजार उत्तर प्रदेश के आम का इंतजार कर रहे हैं। शॉर्टकट न अपनाएं अपनी गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए मांग के अनुरूप प्रोडेक्ट तैयार करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बीज से लेकर बाजार तक की दूरी को कम करने का कार्य कर रही है।

आम मोहत्सव किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाने का एक मंच

सीएम योगी ने शुक्रवार को अमर शहीदपथ स्थित अवध शिल्पग्राम में तीन दिवसीय ''उत्तर प्रदेश आम महोत्सव 2023'' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हमने दुनिया के अलग-अलग देशों में टीमें भेजी थी। प्रदेश की औद्यानिक फसलों के लिए हमें वैश्विक बाजार को टटोलना होगा। इसके लिए विभिन्न देशों में मौजूद भारत के मिशन के माध्यम से यूपी के कृषि से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी का आयोजन करें। सीएम योगी ने कहा कि आम महोत्सव किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाने का एक मंच है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार किसानों के हित से जुड़े सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

सब्जियों को भी वैश्विक बाजार में पहुंचाना होगा

सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के अंदर 4 स्थानों पर पैक हाउस बनाए हैं।

अभी पिछले दिनों वाराणसी के पैकहाउस से दो टन आम हमें दुबई भेजने का अवसर प्राप्त हुआ। ऐसे ही कार्यक्रम हमें सहारनपुर, अमरोहा और लखनऊ पैकहाउस से आयोजित करने होंगे। उन्होंने कहा कि औद्यानिक फसल के साथ-साथ हमें यहां की सब्जियों को भी वैश्विक बाजार में पहुंचाना होगा। इसके लिए हमारे कृषि वैज्ञानिकों और उद्यान विभाग के अधिकारियों को सामूहिक प्रयास करना होगा तब ही हम नई संभावनाओं को तलाश पाएंगे और उत्तर प्रदेश के कृषि एवं औद्यानिक उत्पादों को एक अलग पहचान दिला पाएंगे।

आम के क्रेता और विक्रेता ने सीएम योगी को दिया धन्यवाद

आम महोत्सव में उत्पादक, क्रेता, विक्रेता और निर्यातक शामिल हुए। इनमें अलीगढ़ के आम क्रेता डॉक्टर मोबिनुद्दीन खान ने अपनी बात रखते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों का नतीजा है कि पिछले सप्ताह रूस की राजधानी मास्को में आमरस कार्यक्रम का सफल आयोजन हो पाया। वहां के लोगों ने उत्तर प्रदेश के दशहरी, लंगड़ा, चौसा आदि आमों का स्वाद चखा। सीएम योगी की यूपी के आमों को वैश्विक पहचान दिलाने की दृढ़ इच्छा शक्ति की वजह से आज यहां के आम रूस, दुबई और बहरीन पहुंच पा रहे हैं।

दो से तीन टन आम प्रत्येक सप्ताह निर्यात कर रहे

आम विक्रेता बहरीन के लतीश भाटिया ने कहा कि यह महोत्सव हमारे उत्तर प्रदेश के आमों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम दो से तीन टन आम प्रत्येक सप्ताह निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम योगी यहां के आमों को नई पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इससे आम के किसानों के साथ आम से बने उत्पादों का कारोबार करने वालों को काफी फायदा मिलेगा। भाटिया ने इसके लिए सीएम योगी का आभार जताया।

आम उत्पादन से जुड़े किसान हुए सम्मानित

कार्यक्रम से पहले सीएम योगी ने आम और आम से बने विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथा ही उन्होंने आम महोत्सव 2023 की स्मारिका का विमोचन किया। इसके अलावा सीएम योगी ने आम उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए किसानों और व्यापारियों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह एवं आम उत्पादक किसान मौजूद थे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

चंद्रयान-3 का पूरा सफर: 3.84 लाख किलोमीटर की दूरी, 40-50 दिन का सफर और फिर खुलेगा चांद का राज

भारत एक नया कीर्तिमान रचने के लिए तैयार है। भारतीय वैज्ञानिकों ने दोपहर ढाई बजे श्रीहरिकोटा से चंद्रयान-3 को लॉन्च कर दिया। भारत ही नहीं पूरी दुनिया की नजर इस मिशन पर टिकी है। चंद्रयान-3 मिशन के अंतर्गत इसका रोबोटिक उपकरण 24 अगस्त तक चांद के उस हिस्से (शेकलटन क्रेटर) पर उतर सकता है जहां अभी तक किसी भी देश का कोई अभियान नहीं पहुंचा है। इसी वजह से पूरी दुनिया की निगाहें भारत के इस मिशन पर हैं। चंद्रयान-3 को LVMx रॉकेट से लॉन्च किया गया। लैंडर को सफलतापूर्वक चांद की सतह पर उतारने के लिए इसमें कई तरह के सुरक्षा उपकरणों को लगाया गया है। चंद्रयान-3 मिशन की थीम Science Of The Moon यानी चंद्रमा का विज्ञान है। आइए चंद्रयान-3 के धरती से चांद तक का पूरा सफर जानते हैं। कैसे चंद्रयान-3.84 लाख किलोमीटर की दूरी तय करेगा और इसकी क्या-क्या खासियत होगी? 36 हजार 968 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ेगा चंद्रयान दोपहर 2.35 बजे LVMx रॉकेट के जरिए चंद्रयान-3 लॉन्च किया गया। तब इसकी शुरुआती रफ्तार 1,627 किमी प्रति घंटा थी। लॉन्च के 108 सेकंड बाद 45 किमी की ऊंचाई पर इसका लिक्विड इंजन स्टार्ट हुआ और रॉकेट की रफ्तार 6,437 किमी प्रति घंटा हो गई। आसमान में 62 किमी की ऊंचाई पर पहुंचने पर दोनों बूस्टर रॉकेट से अलग हो गए और रॉकेट की रफ्तार सात हजार किमी प्रति घंटा पहुंच गई। करीब 92 किमी की ऊंचाई पर चंद्रयान-3 को वायुमंडल से बचाने वाली हीट शील्ड अलग हुई। 115 किमी की दूरी पर इसका लिक्विड इंजन भी अलग हो गया और क्रॉयोजनिक इंजन ने काम करना शुरू कर दिया। तब रफ्तार 16 हजार किमी/घंटा थी। क्रॉयोजनिक इंजन इसे लेकर 179 किमी तक ले गया और इसकी रफ्तार 36968 किमी/घंटे थी।

40 दिन में पूरा होगा सफर

धरती से चांद की दूरी करीब 3.84 लाख किलोमीटर है। चंद्रयान-3 इस दूरी को 40 से 50 दिनों में तय करेगा। मतलब अगर सबकुछ सही रहा तो 50 दिनों में चंद्रयान-3 का लैंडर चांद की सतह पर होगा। इसरो की योजना के मुताबिक, इसे 23-24 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर विक्रम लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग कराई जाएगी। अगर दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर की सॉफ्ट लैंडिग होती है, तो भारत दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला देश बन जाएगा।

सूर्योदय की स्थिति देखकर बदलाव भी हो सकता है

चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर लैंडिंग 23-24 अगस्त को रखी गई है लेकिन वहां सूर्योदय की स्थिति को देखते हुए इसमें बदलाव हो सकता है। अगर सूर्योदय में देरी होती है तो इसरो लैंडिंग का समय बढ़ाकर इसे सितंबर में कर सकता है। इसरो के प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया कि चंद्रयान-3 लॉन्च होने के बाद पृथ्वी की कक्षा में जाएगा फिर इसके बाद धीरे-धीरे चंद्रमा की ओर आगे बढ़ेगा। हम उम्मीद कर रहे हैं कि सब ठीक रहेगा और 23 अगस्त या उसके बाद किसी भी दिन लैंड करेगा।

चंद्रयान-2 से ये कितना अलग?

चंद्रयान-2 के मुकाबले इस बार चंद्रयान-3 का लैंडर ज्यादा मजबूत पहियों के साथ 40 गुना बड़ी जगह पर लैंड होगा। लैंडर को सफलतापूर्वक चांद की सतह पर उतारने के लिए इसमें कई तरह के सुरक्षा उपकरणों को लगाया गया है। चंद्रयान-3 मिशन की थीम Science Of The Moon यानी चंद्रमा का विज्ञान है। चंद्रयान-2 में जहां ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर थे। वहीं, चंद्रयान-3 में प्रपल्शन मॉड्यूल, लैंडर और रोवर होंगे। चंद्रयान-3 का लैंडर+रोवर चंद्रयान-2 के लैंडर+रोवर से करीब 250 किलो ज्यादा वजनी है। चंद्रयान-2 की मिशन लाइफ सात साल (अनुमानित) थी, वहीं चंद्रयान-3 के प्रपल्शन मॉड्यूल को तीन से छह महीने काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। चंद्रयान-2 के मुकाबले चंद्रयान-3 ज्यादा तेजी से चांद की तरफ बढ़ेगा। चंद्रयान-3 के लैंडर में चार थ्रस्टर्स लगाए गए हैं।

लैंडर-रोवर का नाम विक्रम और प्रज्ञान ही रखा गया

चंद्रयान-3 के लैंडर का नाम विक्रम और रोवर का नाम प्रज्ञान ही रहेगा। रोवर के भीतर ही लैंडर मौजूद है। 615 करोड़ रुपये की लागत वाले चंद्रयान-3 मिशन का लक्ष्य भी चंद्रयान-2 की तरह ही है। इसके जरिए चांद की सतह के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाना है। खासतौर पर चांद के सबसे ठंडे इलाके की जानकारी जुटाना। चंद्रयान-3 के लैंडर पर चार तरह के साइंटिफिक पेलोड जा रहे हैं। ये चांद पर आने वाले भूकंपों, सतह की थर्मल प्रॉपर्टीज, सतह के करीब प्लाज्मा में बदलाव और चांद और धरती के बीच की सटीक दूरी मापने की कोशिश करेंगे। चांद की सतह के रासायनिक और खनिज संरचना की भी स्टडी होगी।

चुनौतियां भी कम नहीं हैं

चंद्रयान-3 के सामने चुनौतियां भी काफी हैं। सबसे बड़ी चुनौती अनजान सतह पर लैंड करना है। यह एक ऑटोनॉमस प्रक्रिया है जिसके लिए कोई कमांड नहीं दी जाती। लैंडिंग किस तरह होगी, यह ऑन-बोर्ड कंप्यूटर तय करता है। अपने सेंसर्स के हिसाब से लोकेशन, हाइट, वेलोसिटी वगैरह का अंदाजा लगाकर कंप्यूटर फैसला लेता है।

चंद्रयान-3 की सॉफ्ट-लैंडिंग सटीक और सही होने के लिए कई तरह के सेंसर्स का एक साथ ठीक काम करना जरूरी है। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक होगी। अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत चौथा ऐसा देश बन जाएगा जिसने चांद पर सॉफ्ट-लैंडिंग की होगी। हाल के वर्षों में इसरो ने खुद को दुनिया की लीडिंग स्पेस एजेंसी के रूप में स्थापित किया है। चांद पर सफल मिशन से उसकी साख और मजबूत होगी।

संपादकीय Editorial

How far from shimla is himachal

When Himachal Chief Minister Sukhwinder Sukhu camped in areas affected by heavy rains for three consecutive days, the scale of relief changed. That is, the people of Himachal trapped in the situation of flood and excessive rains were exposed and thousands of people were rescued safely from the trap of rain. If tourists stranded in Chandratal Lake or Parvati Valley from Kullu-Manali can safely leave for their homes, then it is a touch of the government to be present on the spot outside Shimla. In such a situation, the question is why the political-administrative corridors of the capital Shimla do not allow the state-level vision to be strengthened. Although the truth is that various departments must have thought while sitting in Shimla that how to protect the state during the monsoon cycle, but no one visited Himachal. The capital does not have time to see every corner of the state. In such a situation, the presence of the Chief Minister in the disaster affected areas proves that the decisions are accurate and correct in the light of the occasion. Actually, many Himachals have started running within Himachal, but the gap of administrative hold is visible in the arrogance of the capital. A period had begun when some regional offices sprouted on the path of administrative decentralization, but now they are irrelevant and unarmed pigeons, who only give officers an opportunity to get promoted. The need is even today that Shimla to Bharmour and Sirmaur should look alike or that Himachal from Channaur to Kinnaur should think alike. It is impossible that the signing of files should continue to be costly and lengthy in the blaze of the capital. The system of good governance in Himachal still runs in the shadow of bureaucracy under the Babugiri of the Secretariat. The record room of Himachal's files may crown the capital, but when questions of regional identity emerge, the pain increases at the time of snowfall, floods or other calamities.

For example, Himachal's education department divides the state into so many pieces regarding the annual school holidays that it itself does not know when it will rain and when it will snow. The horticulture department, while counting the cooling hours of apples, forgets why mangoes did not grow on the boots of Bilaspur-Hamirpur or why Kangra's kinnow dried up on the branches. If Shimla sees Himachal's industrial development between Parwanoo and BBN, then due to being close to the capital, all the traffic planning would have got entangled in the traffic jam there. To know the rain of Himachal, one has to understand the pain of every river, ravine or drain. If the wounds are due to repeated drowning of Una, then it is also due to the raging floods of Manjhi last year. Who would remember that Dharampur's bus stand is now a story of drowning in rains. The Transport Department can make a policy by meeting in Shimla, but cannot see the broken chain of public transport. New buses must have arrived and the green signal must have been given, but Shimla will not describe the broken journeys of government buses every day. Who can tell where the years old Volvo bus leaked in this rain. Who will show that the Volvo ticket to Haridwar will now be completed in a normal bus journey. Obviously there is a difference between politics and good governance. Capital Shimla can be a heaven for politics, but for good governance, difficult areas have to be saved from being hell. Will it be known sitting in Shimla that how many barr (bugs) fly directly from the maize field and attack people in this season. Hundreds of snakes would come out during the rains and bite people. In the paddy cultivation in the rainy season, the feet of women are in danger from so many poisonous creatures. situation, there are many distances in Shimla's thinking even today to test Himachal.

Manipur: It is not right to throw mud at the army, such statements are dangerous for the country

Those who malign the army in Manipur are committing treason. This is the army, due to which Assam, Nagaland, Mizoram and Manipur remain an integral part of India. The geographical unity of Manipur is linked to the whole of India. It cannot be protected by raising divisive issues. It has been more than two months, the statements coming in the midst of improving-deteriorating situation in Manipur should make us worry. Speaking to reporters at the US Consulate in Kolkata, US Ambassador Eric Garcetti said that the incidents in Manipur are a matter of humanitarian concern. According to the report of the English daily The Hindu, he said, 'We wish for peace. You don't have to be Indian to care when you see children dying in violence. If asked, we are ready to assist in any way. The guiding principle should be that everyone feels connected. We can bring more collaborations, more projects and more investments there. We are concerned with the East and Northeast of India. We are concerned with the people, places, capabilities and future here. Belous love in China's reach area bordering Myanmar, Bangladesh, Nepal, Bhutan is not causing concern, although Garcetti thought it necessary to state that America's concern is not strategic. The growth model of MNCs in the Northeast is exemplified by IAS officer Ashish Kundra in his recently published book A Resurgent North East: Narratives of Change after extensive field work. A farmer in Assam told him that multinational corporations were conspiring behind food items; They sell hybrid seeds, destroying local crops and gene pools. The second statement is from Zoramthanga, the chief minister of Mizoram and leader of the Mizo National Front, a supporter of the NDA. After the beheading of a Kuki in Manipur, he indicated that the Front's historic demand for placing all Mizos under one administrative unit may be revived. We wish that not a single photo or video clip of the burning of churches, killings and violence is ever seen. If there is only one way to make peace, shall we choose it? No person sitting on a constitutional post should make such a statement. But it also has a background. On 18 June Manipur Chief Minister N. Biren Singh requested Zoramthanga to take steps to protect the Meitei residents of Mizoram. According to reports, as a result of the violence in Manipur, he fled to Mizoram, discovering more than twelve thousand Christian cookies. The next day, according to a Times of India report, Biren Singh told the media in Imphal, 'Mainly the Kuki terrorists should stop the violence, or else they will have to face the consequences'. I appeal to the armed Maitis not to attack anywhere and maintain peace. The meaning is very clear from the words. In language like ultimatum, there is no glimpse of this bitter truth that both sides are fighting according to the opportunity. This is the inevitable tragedy of a strong sense of alienation and a narrative built on the basis of religion and race. For the first time, the fire in Manipur forced the Indian Army to indirectly counter a politician. Hindustan Times report of May 31: Chief of Defense Staff General Anil Chauhan said that the clashes in Manipur are not related to anti-insurgency operations, it is mainly caste violence. Three days ago, Biren Singh had said, '40 Kukis were killed in an encounter between security forces and militants.' It was also the first time that Maiti-Kuki was seen inside the army. The army of a diverse country is compelled to remind itself of the permanent and immutable principle that all ranks of the Indian Army are free from discrimination of race, caste, creed, gender. The army also released a video showing a barricade group of women preventing soldiers from taking action against armed militants. The army could not fire on the women, so it had to release 12 militants belonging to a Meitei militant outfit. The result of the spread of canker sore is that the army, the last weapon in defense of India's geographical integrity, started being targeted. Those who malign the army in Manipur are committing treason. This is the army, due to which Assam, Nagaland, Mizoram and Manipur remain an integral part of India. Manipur Police was divided on the basis of Maiti-Kuki. Questions were being raised on the neutrality of the paramilitary forces. If everything falls apart, then only the plans of Pakistan and China will be fulfilled. In the initial phase of the violence in Manipur, a narrative was created that drug peddlers had resorted to violence because of injuries. The reference was to the cookies. Moreh, bordering the Kuki-dominated hill district of Churachandrapur, is home to a variety of black businesses. Sudip Chakraborty has given an eye-opening account of the Moreh migration in his famous book The Eastern Gate. The heroin seller, a Meitei woman, told him that of the approximately 150 vendors, the majority were cookies, but that about twenty percent were Meiteis; Also there are Tamils and other ethnic people. Chakraborty says that red sandalwood from Karnataka and Tamil Nadu is brought to Moreh and sent to Myanmar and from there to South-West China. Compared to the Northeast of India, the price there becomes four-five times. Some influential Tamils engaged in this business have reach from Northeast to Thousands of miles away is till South India. Obviously, international smugglers cannot keep such a large network secure over a vast territory without government complicity at various levels. Toxic mindset only sees one point. After the violence that broke out on May 3 in almost peaceful Manipur, Kuki does not want to live with the Meitys. On the other hand, Nagaland's National Socialist Council of Nagaland (I-M) is already claiming about one-third of Naga-dominated Manipur. The geographical unity of Manipur is linked to the whole of India. It cannot be protected by raising divisive issues.

Chandrayaan: Preparation to fly in space, number of technology space start-ups reaches 140

Before the year 2014, there was only one technology space start-up related to the space sector in India, while now the number of such start-ups has reached 140. Once upon a time, India was called the country of snake charmers, but now India is on its way to becoming a superpower in the world of space. In the last few years, India has completely changed its role in the space sector. Before the year 2014, where there was only one technology space start-up related to the space sector in India, now the number of such registered start-ups has reached 140. Apart from companies in than 400. At the fifth position Japan and providing space space economy Rs 30 lakh share is Rs next five years, 48 percent India's space lakh 10 the next five not just limited are also rocket engines these start-ups launching decade. Now

this, the number of such India has increased to more present, India has reached after America, China, Britain in terms of services. Right now the of the whole world is about crore, in which India's 57,431 crore. But in the it is estimated to increase by annually, due to which economy can be worth four thousand crore rupees in years. India's start-ups are to manufacturing, but they developing satellites and in their country. Some of have set a target of 30,000 satellites in the next most of the Indian start-ups are focusing on 'innovation'. Indian start-ups are working on the strength of their own research and capable engineers from their own country. The most capable and cheapest engineers in the whole world are working in our start-ups. That's why the biggest companies of the world are standing in line to invest in Indian start-ups. India's start-ups have received fresh investment of Rs 1,000 crore in the last one year, and it is growing steadily. The major reason for this is the program launched by Prime Minister Modi, whose aim is to make India the world's biggest power in the field of space. The Indian Space Research Organization (ISRO) is continuously setting new records in space. Since 2014, it has successfully launched 44 space craft missions and 42 launch vehicle missions. Now the American space agency 'NASA' also wants to work with ISRO. Chandrayaan-3 is completely 'Made in India'. This is India's third Chandrayaan mission after the failure of Chandrayaan-2 in the year 2019, which will be launched today from the space center at Sriharikota in Andhra Pradesh. The same launching vehicle has been used in Chandrayaan-3, which was used in Chandrayaan-2. There are many scientific instruments in this vehicle, which will study the surface of the moon. In March this year, the necessary tests of this vehicle were successfully completed. In this, the possible conditions that could come during the launch on the moon were assessed. Chandrayaan-3 has three modules namely Propulsion, Lander and Rover respectively. The 'Propulsion Module' carries an instrument called 'Spectro Polarimetric of Habitable Planet Earth' (SHAPE) to study spectral and polar measurements of Earth from lunar orbit, and will carry the lander and rover up to 100 km of lunar orbit . In addition, the propulsion module also has a scientific instrument as a value addition, which will be operated after the separation of the lander module. The lander is equipped with the capability to perform a 'soft landing' on a designated lunar site and deploy the rover, which will carry out chemical analysis of the moon during its mobility. If this time the lander of Chandrayaan-3 is successful in landing on the surface of the moon, then India will become the fourth country in the world to create such a record after America, Russia and China.

उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ निस्तारण के निर्देश-डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद- जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टेªट सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक आहूत की गयी, जिसमें जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुनते हुए अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ निस्तारण के निर्देश दिए। वार्ड नम्बर 4 में एसएस पॉवर फर्म से पश्चिमाचंल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड तक हार्टमिक्स द्वारा सड़क एवं आरसीसी नाले निर्माण कराए जाने के संबंध में नगर निगम द्वारा अवगत कराया गया कि सड़क व आरसीसी नाला निर्माण कार्य हेतु 47.31 लाख का आगणन तैयार है, इस पर जिलाधिकारी ने नगर निगम को प्राथमिकता से कार्य कराए जाने के निर्देश दिए। सहायक महाप्रबन्धक/क्षेत्र प्रबन्धक उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा मुरादाबाद में पाकबडा से डींगरपुर को जोड़ने वाली लोक निर्माण विभाग की सड़क मरम्मत के संबंध में एनएचएआई द्वारा अवगत कराया गया कि एप्रूवल आ गया है जल्द ही सड़क की मरम्मत करा ली जाएगी।

अध्यक्ष यंग एन्टर प्रोन्योर सोसायटी के बिन्दु काशीपुर तिराहे से जामा मस्जिद तक अतिक्रमण, दिल्ली रोड पर सर्किट हाउस के सामने निर्यात नगर में एक साइड की सड़क को ठीक कराए जाने, दिल्ली रोड पर आकांक्षा मारुति शोरुम के बराकर में गड्ढे भरवाये जाने, लाकडी इंडस्ट्रियल एरिया में पानी की टंकी से मॉडर्न एजेंट इण्टरनेशनल स्कूल तक सड़क ठीक कराए जाने के संबंध में जिलाधिकारी ने नगर निगम को आवश्यक करने के निर्देश दिये।

श्री आजम अंसारी मुरादाबाद ब्रास कारखानेदार के बिन्दु महानगर के हस्तशिल्प बाहुल्य क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था कराए जाने के संबंध में जिलाधिकारी ने नगर निगम को सफाई व्यवस्था दुरस्त कराने के निर्देश दिए। लघु भारती के बिन्दु एम्प्रेसन इण्डिया एक्सपोर्ट निकट पानी की टंकी लाकडी फाजलपुर मिनी बाईपास दिल्ली रोड से लेकर रिलायन्स पोर्टल पम्प व ड्राइव 24 तक का रास्ता खराब होने, पैरागॉम मेटर इंडस्ट्रिज से लेकर इण्टरनेशनल ब्रास कलेक्शन से आगे तक नाली निर्माण कार्य तथा रामगंगा विहार सोनकपुर के आस-पास के क्षेत्र में सीवर लाइन का कार्य बहुत ही धीमी गति होने के कारण लोगों को आने जाने में परेशानी के बाबत जिलाधिकारी ने नगर निगम एवं जल निगम को प्राथमिकता के साथ कार्य कर समस्यओं के निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। श्री आजम अंसारी के बिन्दु पीरजादा रोड कूडाघर के नजदीक पुलिया निर्माण कराए जाने, नगर निगम द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अर्न्तगत स्वच्छ पेयजल व्यवस्था हेतु मुख्य चैराहों पर ठंडे पानी की मशीनों को संचालित करने, मियां कालोनी रोड पर गलियों में सड़क निर्माण कराए जाने, कटारशहीद स्थित गलशहीद कारखाने से डा0 अजीम की गली तक पानी की पाइप लाइन डलवाने, महानगर के विभिन्रि क्षेत्रों में विद्युत विभाग की 33के0वी0 लाइन के नीचे जाल लगवाये जाने तथा महानगर की विभिन्न क्षेत्रों जैसे गलशहीद, इन्द्रा चैक, प्रिंस रोड, मकबरा रोड, असालतपुरा, ईदगाह क्षेत्र को गढ्डामुक्त कराए जाने के संबंध में जिलाधिकारी ने नगर निगम, जल निगम एवं विद्युत विभाग को प्राथमिकता के साथ समस्या के निराकरण के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, संयुक्त आयुक्त उद्योग योगेश कुमार, एलडीएम विशाल दीक्षित, डीएसटीओ मो0 परवेज, सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं उद्यमीगण उपस्थित रहें।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढ़ता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर, विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

मसाज सेंटर में सेक्स रैकेट, आपत्तिजनक अवस्था में पकड़े गए युवक-युवती, पुलिस को सौंपा

मुरादाबाद- मसाज सेंटर में सेक्स रैकेट चलने की आम शिकायतें हो चुकी है लेकिन, इस मामले में पुलिस का रवैया संजीदा नहीं दिख रहा है। फिलहाल, इसी मामले में मझोला थाना की मंडी चौकी क्षेत्र में मोहल्ले वालों ने एक मसाज सेंटर में युवक-युवती को आपत्तिजनक अवस्था में पकड़ा और उसे पुलिस को सौंपा। यही नहीं इस दौरान मोहल्ले में काफी हंगामा भी हुआ। प्रकरण में मोहल्ले के ही उमेश कुमार शर्मा ने मझोला थाने में युवती समेत तीन लोगों को नामजद किया है। इसमें प्रथम मंडी गेट के सत्येंद्र कुमार और हरथला की युवती है। मंडी पुलिस चौकी प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि युवती को 7 साल की कम सजा वाले केस में जेल तो नहीं भेजा गया है पर, उसे निजी मुचलके पर छोड़ा गया है। जबकि गिरफ्तार युवक सत्येंद्र कुमार को जेल भेज दिया गया है। इस मामले में हरथला मोहल्ले का ही लक्की भी नामजद है। प्रथम मंडी गेट के निवासी उमेश कुमार शर्मा ने पुलिस को बताया है कि मसाज सेंटर सत्येंद्र कुमार के घर में चलता है। इसका संचालन मेहताब नाम का व्यक्ति करता है। उन्होंने पुलिस से कहा है कि मसाज सेंटर में सेक्स रैकेट का धंधा काफी दिनों से चल रहा है लेकिन, इस बार पुलिस ध्यान नहीं दे रही है। जबकि मोहल्ले वाले कई बार विरोध भी कर चुके हैं। मसाज सेंटर के अंदर युवक और युवती के आपत्तिजनक परिस्थिति में पाए जाने पर मोहल्ले के लोग गुस्से में थे। गजरान सिंह, नेपाल सिंह चौहान, राजीव कुमार, उमेश कुमार शर्मा समेत काफी संख्या में इन लोगों को मझोला थाने ले जाकर पुलिस के सुपुर्द किया है। इस प्रकरण में नामजद लक्की अभी तक फरार है। मंडी चौकी प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि मसाज सेंटर का संचालन सत्येंद्र कुमार के घर में होता है, उसमें मेहताब नाम का व्यक्ति सहयोग जरूर करता है। मेहताब कहा का रहने वाला है, इस बारे में उन्होंने कहा जानकारी की जा रही है।

बिजनौर जनपद में सबसे ज्यादा 10,398.43 हेक्टेअर और अमरोहा में सबसे कम 2151.56 हेक्टेअर बढ़ा रकवा

मुरादाबाद मंडल में बढ़ गया 34,000 हेक्टेयर गन्ने का रकबा

मुरादाबाद-मंडल में सर्वे के बाद करीब 34000 हेक्टेअर गन्ना रकबा बढ़ गया है। पिछले पेराई सत्र के मुकाबले बिजनौर जनपद में सबसे ज्यादा 10,397.54 हेक्टेअर और सबसे कम 2153 हेक्टेअर रकबा अमरोहा जिले में बढ़ा है। इस साल शासन की नीति के अनुसार सिर्फ पौधे (नौलक) का ही सर्वे कराया गया। अगर कहीं पर पशु या दूसरी किसी वजह से नुकसान हुआ है, तो उसका भी सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट को एसजी पोर्टल (स्मार्ट गन्ना किसान पोर्टल) पर अपलोड कर दिया गया है। पश्चिमी यूपी में गन्ने की फसल बड़े पैमाने पर की जाती है। मुरादाबाद मंडल में करीब आठ लाख किसान गन्ने की खेती कर रहे हैं। इस साल भी किसान गन्ने की फसल को प्राथमिकता दे रहे हैं। हालांकि लागत के अनुसार गन्ने की फसल का रेट कम जरूर रहता है, लेकिन किसानों को इस फसल से फायदा ज्यादा मिलता है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से चीनी मिलों में गन्ना पेराई शुरू हो जाती है और अप्रैल तक चलती हैं। किसानों को गन्ने का भुगतान एक मुश्त मिलता रहता है। जिससे किसानों को फायदा मिलता है। हालांकि किसान नेताओं का मानना है कि गन्ने का रेट लागत के अनुसार नहीं मिल पा रहा। किसान बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती कर रहे हैं। पूरे मंडल इस साल गन्ने का रकबा 34,022.20 हेक्टेअर बढ़ा है।अधिक गन्ना पेराई होने से चीनी का उत्पादन भी अधिक होगा। कुछ किसान तो फरवरी में ही नए पौधे की बुआई कर देते है। जिससे गन्ने की पैदावार अच्छी होती है। अब किसानों को गन्ना पर्ची भी मोबाइल पर एसएमएस के जरिए मिल जाती है, उसे ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। पिछले साल मंडल में 5,35,689.76 हेक्टेयर में गन्ने की खेती की गई, जो की इस साल 5,69,711.96 हेक्टेयर में गन्ने की खेती की जा रही है। भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह कहते हैं कि प्रदेश में एएसपी (स्टेट एडवाइज प्राइज) लागू किया जाए। इससे किसानों को और फायदा मिलेगा।मंडल भर में गन्ने का सर्वे हो चुका है और उसे एसजी पोर्टल पर अपलोड भी कर दिया गया है। हालांकि पौधे को अभी पेड़ी में बदला जा रहा है। कुछ जनपदों में अगर कहीं पर गन्ने की फसल में नुकसान हुआ है तो उसका भी सर्वे कराया जाएगा। इसकी रिपोर्ट भी 17 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद गन्ना रकबा में कुछ कमी आ सकती है। क्योंकि नुकसान वाली पेड़ी को रिकार्ड से हटाया जाएगा। किसानों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।- हरपाल सिंह, उप गन्ना आयुक्त

बेटी की शादी के लिए जमा की थी पूंजी, बैंक खाते से गायब

गूगल से नंबर लेकर गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर से मिलने का समय मांगने में हुई ठगी, डेढ़ महीने बाद दर्ज हुआ केस

मुरादाबाद-साइबर ठगी के मामले में पीड़ित की सुनवाई में काफी देरी की आम शिकायतें हैं। ऐसे ही एक मामला सिविल लाइन के अंबरीश कुमार वर्मा का सामने आया है। इनके बैंक खाते से डेढ़ लाख रुपये चोरी हो गए और यह केस दर्ज कराने के लिए डेढ़ महीने तक साइबर सेल से लेकर थाना, एसपी ग्रामीण और एसएसपी तक दौड़ते रहे। अब बुधवार शाम इनका केस सिविल लाइन थाने में दर्ज हुआ है। अंबरीश कुमार वर्मा भारतीय दूर संचार निगम (बीएसएनएल) में कार्यालय अधीक्षक पद से सेवानिवृत्त हैं। इन्होंने इलाज के लिए 18 मई को नई दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में संपर्क करने को गूगल से मोबाइल नंबर लिया, बात की। वह डॉ. शंकर आचार्य से मिलना चाह रहे थे। कॉल रिसीव करने वाले ने इन्हें अपना नाम शोमैन बताया। शोमैन ने अंबरीश से कहा, अभी हमारे मैनेजर आपसे बात करेंगे। उसके बाद दूसरे नंबर से अंबरीश के फोन पर कॉल आई। कॉलर ने अपना नाम अनिल मिश्र बताया और गंगाराम अस्पताल से बोलने की बात कही। उसने अंबरीश से सवाल किया कि आपको डॉ. शंकर आचार्य से मिलने का समय लेना है? जिस पर अंबरीश ने हामी भरी तो उसने पंजीकरण के नाम पर 450 रुपये मांगे। अंबरीश ने कॉलर अनिल मिश्र से कहा ये 450 रुपये कैसे भेजें तो उसने उनके व्हाट्सएप पर लिंक भेजा और अंबरीश ने उसे क्लिक किया तो ऑटोमैटिक उनके मोबाइल पर एप लोड हो गया। फिलहाल, 450 रुपये पेमेंट नहीं हो पाए तो कॉलर ने उनसे कहा कि ठीक है 27 मई को आना तो अस्पताल में ही पेमेंट कर देना। अंबरीश ने बताया कि 18 मई को बातचीत होने के बाद 20 मई के दिन उनके पंजाब नेशनल बैंक खाते से 50 हजार और भारतीय स्टेट बैंक खाते से एक लाख रुपये कट गए। तब उन्हें समझ आया कि वह साइबर ठगी का शिकार हो गए। परेशान अंबरीश उसी दिन सबसे पहले 1930 पर कॉल कर पुलिस को खबर की और पुलिस की तरफ से मांगे गए बैंक पासबुक, वित्तीय स्टेटमेंट आदि का विवरण व्हाट्सएप किया। उसी दिन वह पुलिस लाइन में साइबर सेल में भी जाकर घटना बताई। अंबरीश के मुताबिक, साइबर सेल टीम के लोगों ने उनसे प्रार्थना पत्र ले लिया लेकिन, केस दर्ज करने की बात पर उन्हें सिविल लाइन थाने जाने की सलाह दी। यहां भी सुनवाई नहीं हुई तो वह पुलिस अधीक्षक ग्रामीण से मिले। वह साइबर सेल से थाने और एसपी ग्रामीण एवं एसएसपी तक भागदौड़ में करीब डेढ़ महीने से भी अधिक समय बीत गया, तब बुधवार को सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज हुआ है।

www.knlslive.com

बेटी की शादी के लिए पेंशन के बदले ली थी एकमुश्त रकम

अंबरीश कुमार वर्मा ने बताया कि वह बीएसएनएल कर्मियों की यूनियन के जिला सचिव हैं। उन्होंने विभाग में कार्यालय अधीक्षक पद से 31 जनवरी 2020 को वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्त) ले लिया था। फिर बड़ी बेटी के विवाह के लिए उन्होंने पेंशन के बदले परिचित से एकमुश्त धनराशि ली थी। बैंक खाते में 31 जनवरी 2023 को करीब 6 लाख रुपये आए थे। इसी खाते से डेढ़ लाख रुपये साइबर ठग ने गायब कर लिए। पैसे चोरी होने के बाद से अंबरीश परेशान रहते हैं। इनके दो बेटियां हैं। अंबरीश कुमार वर्मा के मामले में जांच हुई होगी। इनके खाते से जिस खाते में पैसा ट्रांसफर हुआ उसमें रुपये नहीं होंगे, इसलिए केस दर्ज करने में देरी हुई होगी। खाता फ्रीज कराने की कार्रवाई तब तक होती है, जब ठगी करने वाले के खाते में रुपये हों। यदि उस खाते में रुपये नहीं हैं तो जल्दबाजी न दिखाते हुए आरोपी के बारे में पुख्ता जानकारी जुटाने की कोशिश की जाती है।- हेमराज मीना, एसएसपी

आजम खान को सरकार ने वापस दी 'Y' श्रेणी की सुरक्षा, राजनीतिक क्षेत्र में मची खलबली

मुरादाबाद/रामपुर- प्रदेश सरकार ने समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता एवं पूर्व मंत्री आजम खान की वाई श्रेणी की सुरक्षा को उन्हें वापस कर दिया है। इस बात की पुष्टि कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने की है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सरकार की तरफ से आदेश भी जारी हो गया है। वैसे आजम खान की वाई श्रेणी की सुरक्षा वापस लेने का फरमान गुरुवार को ही शासन की तरफ से जारी हुआ था। लेकिन, अचानक कुछ ही समय बीतने के बाद दोबारा सपा नेता को वाई श्रेणी की सुरक्षा बहाल कर देने से राजनीतिक क्षेत्र में खलबली मचा गई है। राजनीतिक गलियारे में सरकार का निर्णय एकदम बदल जाना किसी के गले नहीं उतर रहा है। जानकारी हो कि सपा नेता आजम खान भैंस चोरी व अन्य मामलों में 27 महीने जेल में रहे। जेल से रिहा होने पर इन्हें सरकार ने वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की थी।

उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार जाने के बाद भाजपा सत्ता में आई। उसके बाद भाजपा सरकार ने आजम खां की घेराबंदी कर ली थी। उन पर भैंस चोरी से लेकर बकरी चोरी तक के मामले में केस दर्ज किए गए। थानों में भी दर्ज विभिन्न मामलों के अंतर्गत उन्होंने अपने को न्यायालय में सरेंडर कर दिया था। करीब 27 महीने बाद जमानत पर जेल से आजम खां रिहा हुए। फिर सरकार ने उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की थी। कुछ महीने पहले ही आजम खान को भड़काऊ भाषण देने के मामले में 3 वर्ष की सजा हुई थी। कोर्ट से सजा मिलने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता भी चली गई थी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सांख्यिकीय आंकड़ो के संग्रहण हेतु सेन्सीटाइजेशन वर्कशॉप का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद- जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टेªट सभागार में सांख्यिकीय आंकड़ो के संग्रहण हेतु सेन्सीटाइजेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें उद्यमियों द्वारा फैक्ट्रियों से संबंधित ए0एस0आई को अपने स्तर से शुद्ध आंकड़े उपलब्ध कराए जाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने उद्यमियों को बताया कि सही आंकड़े सरकार को पॉलिसी बनाने में सहायता करते हैं, आपसे जो सूचनाएं मांगी जाये उन्हें सत्यता के आधार पर उपलब्ध कराए। यही आंकड़े पॉलिसी उद्देश्य हेतु भारत सरकार को उपलब्ध कराए जाते हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व युगराज सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, संयुक्त आयुक्त उद्योग योगेश कुमार, एलडीएम विशाल दीक्षित, उप निदेशक डीएसटीओ, डीएसटीओ मो0 परवेज, सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं उद्यमीगण उपस्थित रहें।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

महिला ग्राम प्रधान ने एपीओ पर छेडछाड का आरोप लगाते हुये दी तहरीर

एपीओ ने भी मारपीट व जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगाते हुए दी तहरीर पुलिस ने कहा जांच के बाद की जायेगी कार्यवाई

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अकराबाद - ब्लाक क्षेत्र की एक महिला ग्राम प्रधान ने ब्लाक पर एपीओ पद पर तैनात कर्मचारी के खिलाफ छेड़छाड़ व रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। वहीं एपीओ ने भी ब्लाक प्रमुख पर अपने साथ अभद्रता व जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। महिला प्रधान ने दी तहरीर में कहा है कि बीते मंगलवार को वह विकास कार्य से संबंधित कागजात की फीडिंग कराने के लिए ब्लाक गई थी। वहां जाकर एपीओ कार्यालय पहुंची और फीडिंग के लिए कहा आरोप है कि एपीओ ने कहा कि आप अकेली आई हैं। जिस पर उसने कहा आपको अपने काम से मतलब है कि मेरे साथ कौन आया है या कौन नहीं आया है इससे क्या मतलब इस पर एपीओ ने कहा सभी कार्यों पर पांच प्रतिशत रुपए देने पड़ेंगे। जब उसने रुपए देने से मना किया तो आरोप है कि एपीओ ने कहा अगर आपको पैसे नहीं देने हैं तो वह उसकी ओर गंदी नजरों से देखते हुए उसका हाथ पकड़ लिया और अपनी ओर खींचने का प्रयास किया। वह इसका विरोध करते हुए कार्यालय से बाहर आ गई और वहां मौजूद लोगों को आपबीती बताई। जिस पर उन्होंने कहा आप सारी बात अपने ब्लाक प्रमुख को बताओ। जिस पर वह ब्लाक प्रमुख के पास पहुंची और उन्हें लिखित व मौखिक रुप से घटना की जानकारी दी। वहीं एपीओ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि मेरा हाल ही में धनीपुर ब्लॉक से अकराबाद ब्लॉक में एपीओ के पद पर स्थानांतरण हुआ है बीते मंगलवार को मैं ब्लॉक पर अपने कार्यालय में कंप्यूटर पर कार्य कर रहा था शाम के समय 2 लोग मेरे पास आए और बोले कि तुमने यहां योगदान कर लिया और ब्लॉक प्रमुख से नहीं मिले वह तुम्हें बुला रहे हैं जिस पर वह उठकर नरेगा संबंधित पत्रावली लेकर ब्लाक प्रमुख के कक्ष में पहुंचा आरोप है कि मुझे देखते ही वह आग बबूला हो गए कहा तुम मुझसे मिलने नहीं आए जो भी यहां कर्मचारी आता है वह मेरी बात मानता है जिस पर उसने कहा प्रमुख जी जो नियम है उन्हीं के अनुसार कार्य होता है मेरे द्वारा किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया जाएगा इसके बाद आरोप है गुस्से में मुझसे जाति सूचक शब्द एवं अभद्रता अमर्यादित असहनीय गाली गलौज की कहा कि मेरे हाथ से मनरेगा की फाइल लेकर फाड दी इनके अन्य आठ दस साथियों ने मेरे साथ मारपीट की है। जब पूरे मामले में ब्लाक प्रमुख ठा. राहुल सिंह से बात की तो उन्होंने बताया कि बीते एक महिला ग्राम प्रधान उनके पास उनके आफिस आईं थी उन्होंने एपीओ द्वारा की गई घटना के बारे में बताया था। जिसपर उन्होंने एपीओ को बुलाकर जानकारी की तो वह गलत बात करने लगे जिसपर उन्होंने उसे आफिस से बाहर जाने के लिए कहा था।लगाए जा रहे आरोप बेबुनियाद है अगर उनके पास कोई साक्ष्य है तो वह प्रस्तुत करें। एपीओ ने अपना बचाव करने के लिए मेरे खिलाफ झूठा प्रार्थना पत्र दिया है। मामले के संबंध में थाना प्रभारी एमपीसिंह ने बताया है कि दो पक्षों की तहरीर मिल गई। जांच के बाद आबश्यक कार्यवाई की जायेगी।

राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी के स्टार्ट-अप छात्र-छात्राओं का रिसर्च एण्ड इनोवेशन पार्क आई.आई.टी दिल्ली में भ्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। राजश्री कालेज के छात्र-छात्राओं ने आर.एन.आई पार्क, आई.आई.टी दिल्ली का भ्रमण किया। जिसका मुख्य उद्देश्य इनक्यूवेशन एण्ड स्टार्ट-अप को किस तरह से आगे बढ़ाया जा सके। भारत सरकार की क्या-क्या स्कीम चल रहीं हैं, जिससे आने वाले समय में छात्र-छात्रओं को लाभ मिल सके और वहां पर राजश्री के छात्र-छात्राओं को स्टार्ट-अप के बारे में विस्तार से बताया। करनजीत चौधरी, सत्य दीप, प्रोग्राम मैंनेजर (एफ.आई.टी.टी.) ने नये-नये स्टार्ट-अप आइडियास से छात्रों को अवगत कराया। जिससे छात्रों को सोचने के लिये नया आयाम मिला। आई.आई.टी, नई दिल्ली में आर.एन.आई पार्क का दौरा एक बेहद ज्ञानवर्धक अनुभव था।

दौरे के दौरान छात्रों ने केन्द्र में अपनायी जाने वाली इनक्यूवेशन प्रोसेस की समझ हासिल की है। इस यात्रा ने हमारे छात्रों को टार्निंग की सम्भावनाएं तलाशने के लिये प्रेरित किया है। राजश्री के छात्र-छात्राओं ने एआई रोबोटिक्स, एडर्ना वी2, डैश डायनामिक प्रा0 लि0, ड्रोन डिलीवरी टीसॉ के स्टार्ट के बारे में जानकारी ली। छात्र-छात्राओं के द्वारा मैनेजमेंट को तथा पूर्ण रूप से एकेडमिक एडवाइजर मिस. तूलिका अग्रवाल को धन्यवाद किया। क्योंकि इस प्रकार के भ्रमण से रोजगार बनाने में छात्र-छात्राओं को काफी आसानी होगी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरप्रीत सिंह, मेघा सिंह ने छात्र-छात्राओं को पूरा सहयोग किया।

टोल प्लाजा के निकट सड़क हादसे में युवक की मृत्यु

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अकराबाद - रात नेशनल हाईवे स्थित अकराबाद टोल प्लाजा के निकट एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। कस्बा निवासी विजय यादव के दो बेटों में छोटा शिवम की रात टोल प्लाजा पर किसी काम से गया था। जहां सड़क पार करते समय किसी अज्ञात वाहन ने उसे रौंद दिया। हादसे में शिवम गंभीर रुप से घायल होगया। हादसे की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंच गए और टोल पर खड़ी एम्बुलेंस की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल अलीगढ़ ले गए जहां डाक्टरों ने शिवम (17) को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी अलीगढ़ भेजा है। शिवम की मौत से परिवारीजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

जल ही जीवन है इसका दुर्पयोग न करें - विजयसिंह

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अकराबाद - विकास खंड कार्यालय पर पहुंची जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमंती विजयसिंह ने जल जीवन मिशन के प्रशिक्षण शिविर का फीताकाटकर शुभारंभ किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा जल जीवन मिशन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि जल ही जीवन है इसका दुर्पयोग न करें और जल को व्यर्थ न बर्बाद न करें। उन्होंने ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को जल जीवन की किटों का वितरण किया। इससे पूर्व यहां पहुंचने पर क्षेत्र के तमाम प्रधानों ने उनका फूलमालाओं के साथ स्वागत किया।।

तीन दिन से कर रहे थे परेशान, पुलिस ने पीड़ित परिवार को ही फटकारा

निशाकांत शर्मा -क्यूँ न लिखूँ सच

एटा - थाना जैथरा के गांव पिपहैरा निवासी मयंक (6) की हत्या के मामले में परिजनों का कहना है कि वैसे तो यह अपराधी कई दिनों से परेशान करते थे। तीन दिन से तो हद ही हो गई थी। पुलिस कार्रवाई न होने के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए थे। पीड़ित की सूचना पर पुलिस मौके पर तो पहुंची थी, लेकिन आरोपियों पर कार्रवाई के बजाए पीड़ित परिवार को ही फटकार कर चली गई थी। पोस्टमार्टम गृह पहुंचे घरवालों ने बताया कि आरोपी बबलू आए दिन छत पर अश्लील हरकतें करता था। विरोध पर पत्थर मारता था। इसकी शिकायत करने वह धुमरी पुलिस चौकी गए थे। वहां से कह दिया कि अगले दिन गांव में आएंगे। इसके साथ ही डायल-112 को कॉल कर बुलाया। उन्होंने भी कार्रवाई करने के बजाए फटकार लगा दी। पीड़ित से कह दिया कि तुम ही उल्टा पुलिस को परेशान कर रहे हो। अगली बार अश्लील हरकतें करे तो उसकी वीडियो बना लेना। बुधवार को मृतक की बुआ ने वीडियो बना ली थी। इसे लेकर ही इतना बड़ा बवाल हो गया। घरवालों का आरोप है कि आरोपी मोबाइल भी छीन ले गए हैं। सबसे पहले आरोपियों ने मोबाइल ही छीना था। यह है रंजिश का कारण मृतक मयंक के पिता रिंकू और उनके दो भाई दिल्ली में कबाड़े का काम करते हैं। रिंकू का भाई सुर्वेद्र उर्फ संजू वर्तमान में जेल में निरुद्ध है। यह भी दिल्ली में ही कबाड़ का काम करते थे। चर्चा है कि दिल्ली में कबाड़ का सामान खरीदने को लेकर विवाद हो गया था। इसकी जानकारी दिल्ली पुलिस को दी थी। इसके बाद 19 सितंबर को दिल्ली से आए ओमवीर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसमें संजू सहित चार आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज हुई थी। रिपोर्ट भाई रामबृज उर्फ टेपू ने कराई थी। हत्या के बाद से रंजिश शुरू हो गई थी। घटना के बाद से दहशत में कोई भी पुरुष घर में नहीं रहता था। परिजनों की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। हत्या के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस हत्या के मामले की गहराई से जांच कर रही है। जो भी दोषी है उन्हें जेल भेजा जाएगा।- राजेश कुमार सिंह, एसएसपी एटा

अपराधियों का खौफ,9 माह से कोई पुरुष नहीं आया घर

नौ माह पहले उपजी रंजिश के बाद अपराधी घटना करने के फिराक में थे। अपराधियों का खौफ ऐसा था कि नौ माह से कोई भी पुरुष घर पर नहीं आ रहा था। इतना ही नहीं मासूम के बड़े भाई को भी बुआ के घर पर रहने के लिए भेज दिया था। नौ माह पहले ओमवीर की हत्या हुई थी। उसके बाद से दोनों परिवार में रंजिश हो गई थी। आपस में ही घर-परिवार के सदस्य हैं (दोनों परिवार के दादा सगे भाई थे)। ओमवीर की हत्या के बाद मृतक मासूम मयंक के पिता व चाचा दिल्ली से नौ माह में एक बार भी गांव नहीं आए थे। एक चाचा पहले से जेल में बंद है। मां प्रियंका के अलावा, इनकी सास रामा देवी, ननद सुलेखा रहती है। बड़ी ननद पुष्पा को भी गांव में बुला लिया था। मृतक के बड़े भई अरविल को बुआ के घर पथरौआ कुरावली जनपद मैनपुरी भेज दिया था। वह भी नौ माह से घर पर नहीं आया था।

बुआ पहले से भांप गई थी

पोस्टमार्टम गृह पहुंची मासूम की बुआ पुष्पा देवी ने बताया कि वह भी मायके में ही रह रही है। घटना को लेकर उन्हें आभास हो गया था कि आरोपी घटना कर सकते हैं। ऐसे में उन्होंने मृतक के मामा जो एटा में रहते हैं उनके पास फोन किया था कि आरोपी परेशान कर रहे हैं। छत पर खड़े होकर गाली-गलौज कर रहे हैं। मामा ने कह दिया था वह उनसे न बोले। पुलिस को सूचना दे देंगे।

नगर पालिका कर्मियों की घोर लापरवाही आई सामन

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा में नगरपालिका उड़ा रही है प्रधानमंत्री के स्वच्छता मिशन की धज्जियां, कचरा भरा हुआ ट्रेक्टर ट्राली शहर को कर रहे है प्रदूषित, गंदे कचरे का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल, नियमों को ताक पर रखकर लगातार फर्राटे मार रहे है खुले में कचरा ले जाने वाले ये नगरपालिका वाहन, नगर पालिका कर्मियों की घोर लापरवाही आई सामने, नगरपालिका के गंदे कचरे को सड़कों पर फैलाते हुए दिख रहा है ये नगर पालिका वाहन, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के स्वच्छता मिशन की एटा नगर पालिका जमकर उड़ा रही है धज्जियां,एटा नगर पालिका क्षेत्र के शहर में खुली गाड़ी में कचरा ले जाने का मामला।

मन मानी स्वास्थ्य विभाग ने सील किया था। इसको दो दिन बाद ही खोला

निशाकांत शर्मा -क्यूँ न लिखूँ सच

एटा - चार दिन पूर्व निधौली रोड स्थित बालाजी हॉस्पिटल को स्वास्थ्य विभाग ने सील किया था। इसको दो दिन बाद ही खोल दिया गया। इस अस्पताल के खुलने के बाद सील अस्पताल, ऑपरेशन थियेटर खुलवाने को संचालक सीएमओ कार्यालय के चक्कर काटने लगे है। एक अस्पताल खुलने से उम्मीद जागी है। तीन दिन पहले अंपीकृत बताकर बालाजी हॉस्पिटल को सील किया गया था, लेकिन तीन दिन बाद ही उस अस्पताल को खोल दिया गया। तीन दिन में ना जाने कौन से औपचारिकता पूर्ण कर दी गई। मालूम हो कि छह जुलाई को स्वास्थ्य विभाग ने रेलवे रोड के निकट स्थित शिवशक्ति हॉस्पिटल एंड क्रिट्रीकल केयर सेंटर के ऑपरेशन थियेटर को सील किया। उसके बाद सात जुलाई को आगरा रोड स्थित नारायण अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर को सील करने की कार्रवाई की। आठ जुलाई को ओमश्री हॉस्पिटल का ऑपरेशन थियेटर सील किया। इसके अलावा शिकोहाबाद रोड स्थित लाइप केयर हॉस्पिटल, मां गायत्री हॉस्पिटल, अलीगंज रोड स्थित शिवाय हॉस्पिटल का ऑपरेशन थियेटर सील करने की कार्रवाई की। नौ जुलाई को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निधौली रोड स्थित अपंजीकृत बालाजी अस्पताल, विजयनगर में जय अम्बे हॉस्पिटल, जीआी रोड स्थित पार्क हॉस्पिटल को सील करने की कार्रवाई की थी। 10 जुलाई को आगरा रोड स्थित पूजा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का आपरेशन थियेटर, आगरा रोड स्थित आरएस हॉस्पिटल का ऑपरेशन थियेटर सील किया। गंजडुंडवारा रोड पीपल अड्डा पर डा. जेपी क्लीनिक को नोटिस दिया। 12 जुलाई को जलेसर में सिनर्जी प्लस हॉस्पिटल सील किया और वर्मा हॉस्पिटल का ऑपरेशन थियेटर सील किया गया है। निधौलीकलां में अपंजीकृत महीपाल सिंह, अवागढ़ में रविराज क्लीनिक संचालक को नोटिस दिया गया है। रविवार को सील किया गया शहर में निधौली रोड स्थित बालाजी हॉस्पिटल को अधिकारियों के निर्देश के बाद खोल दिया गया है। डा. सर्वेश कुमार, अपंजीकृत नोडल अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, एटा निधौली रोड स्थित बालाजी अस्पताल खोलने के संबंध में मैने कोई आदेश नहीं दिये है। यदि अस्पताल खुला हुआ है तो उसे दोबारा सील कराया जाएगा।- डा. उमेश कुमार त्रिपाठी, सीएमओ, एटा

हज यात्रा से लौटे दादा-पोते का हुआ जोरदार स्वागत-सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा-हज यात्रा से लौटे हाजी अब्दुल वशीर सैफी, हाजी सायम दादा-पोते सहित नगर के सभी हाजियों का ज़ोरदार फूल वर्षा कर स्वागत सम्मान किया गया। स्वागत करने वालों में नसीर सैफी मोहम्मद शमशाद, शकील अहमद यासीन अंसारी, मुखिया,अबरार सैफी सलाउद्दीन उर्फ़ मुखिया, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मानवता को शर्मसार - नाले में बहता मिला नवजात बच्ची का शव

क्यूँ न लिखूँ सच

कानपुर - ग्रामीणों ने शव को नाले से निकालकर पेपर से ढका और पुलिस को दी सूचना अरौल थाना के अंर्तगत मकनपुर गांव में मानवता को शर्मसार करने वाली खबर सामने आ रही है सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार इलियासपुर पंचायत भवन के सामने से गुजरने वाले मकनपुर गांव के नाले में आज शुक्रवार दोपहर एक नवजात शिशु का शव पड़ा देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया, जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे, कुछ संभ्रांत नागरिकों के द्वारा नवजात शिशु के शव को नाले से निकलवाकर उसे पेपर से ढकवा दिया गया और पुलिस को सूचना दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू की, वहीं ग्रामीणों में नवजात शिशु के शव को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं बनी रहीं, ।

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

लाखों कीमती मक्का से भरा ट्रक तालाब में गिरा बच गया ड्राइवर अमानक धर्मकांटों से जाम

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद लाखों रुपए कीमती मक्का से भरा ट्रक तालाब में जा गिरा हादसे में ड्राइवर बाल-बाल बच गया ड्राइवर विनोद ट्रक नंबर यूपी 76 टी/ 9761 में मक्का लादकर सातनपुर मंडी से बाईपास धर्म कांटा ले जा रहा था ट्रक बीती रात ढिलावल चौराहे के निकट बाईपास मार्ग से गुजर रहा था उसी समय अनियंत्रित ट्रक बाईपास मार्ग के किनारे काफी गहरे तालाब में जा गिरा

हादसे के दौरान ड्राइवर ने किसी तरह बाहर निकल कर जान बचाई ट्रक में करीब 6 लाख कीमती मक्का लदी है सुबह से ट्रक को देखने वालों का तांता लगा रहा ट्रक मुरास निवासी अरुण प्रताप सिंह का है वह ट्रक को निकलवाने के लिए मौके पर डटे है अरुण सिंह ने बताया कि जहानगंज निवासी ड्राइवर विनोद सातनपुर मंडी से 30 टन मक्का की बोरी लादकर बाईपास धर्म कांटे पर तौल कराने के लिए ले जा रहा था रात करीब 10.30 बजे ट्रक तालाब के निकट से गुजर रहा था उसी समय सामने से आए स्कार्पियो सवार लोगों ने ड्राइवर पर ट्रक पीछे करने का दबाव बनाया जब ड्राइवर ट्रक को बैक कर रहा था उसी समय अनियंत्रित ट्रक तालाब में जा गिरा बाईपास के ग्राम कुइबूट एवं ग्राम नगला खैरबंद के सामने अमानक धर्म कांटा लगाए गए हैं कुइयांबूट का धर्म कांटा बाईपास की सरकारी जमीन पर बना है धर्म कांटा के नीचे ही नीचे से नाला बना है तौल कराने के लिए दोनों धर्म काटों पर वाहन को सीधे ले जाया जाता है तौल होने पर वाहन बैक किया जाता है जिसके कारण वाहन की तौल कराने में तो 3 गुना से अधिक समय लगता है मालगाड़ी पर मक्का लोड कराने के लिए ढिलावल चौराहे से जसमई तिराहे के निकट तक पचासों ट्रक एवं ट्रैक्टरों की लंबी लाइन करीब 24 घंटे तक लगी रहती है जिससे सड़क पर यातायात बाधित रहता है बताया जाता है कि अधिक कमाई करने के प्रयास में ट्रक एवं ट्रैक्टरों पर ओवरलोड मक्का एवं गेहूं लादा है जसमई तिराहा एवं ढिलावल चौराहे पर पुलिस फोर्स के अलावा ट्रैफिक पुलिस तैनात रहती है लेकिन पुलिस वाले मुट्ठी गर्म करने के कारण आंखें बंद कर लेते हैं जिसका खामियाजा राहगीरों को उठाना पड़ रहा है थाना पुलिस भी इस मामले में काफी निष्क्रिय है

पंचायत घरों से चुराए गए सामान व नकदी सहित चार शातिर चोर गिरफ्तार गुडवर्क का इनाम

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद -थाना नवाबगंज पुलिस ने एसओजी व सर्विलांस टीम के सहयोग से पंचायत घरों से सामान चुराने वाले 4 चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है पुलिस ने थाना शमशाबाद के ग्राम बलीपुर भगवन उर्फ उलिया पुर निवासी सुबोध यादव पुत्र रामनिवास, जनपद कन्नौज थाना छिबरामऊ के ग्राम भारापुर निवासी अजीत कुमार पुत्र धनपाल सिंह जाटव कसावा निवासी अश्वनी राठौर उर्फ अजय पुत्र राधेश्याम एवं कोतवाली कन्नौज के ग्राम तिखवा निवासी नागेश जाटव पुत्र सियाराम को नाला बघार के निकट गिरफ्तार किया है पुलिस ने गिरफ्तार चोरों को पुलिस लाइन के सभागार में मीडिया के सामने पेश किया पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि चोरों के पास से पंचायतघरों से चोरी किए गए 4 बैटरा 2 टीएफटी 3 इनवर्टर 3 सोलर प्लेटें 2 प्रिंटर के 10 प्लास्टिक की कुर्सी एक अलमारी एवं बेचे गए सामान के 2400 रूपए के अलावा 5 मोबाइल फोन बरामद किए गए इन चोरों ने पांच चोरी की घटनाओं का एकबाल किया है जिनमें तीन घटनाएं थाना नवाबगंज एवं एक घटना थाना शमशाबाद क्षेत्र की है एक चोरी की वारदात जिले के बाहर की है एसपी ने बताया कि अजीत यादव गिरोह का सरगना है उसके ऊपर 23 मुकदमे अश्वनी पर 8 सुबोध पर 11एवं नागेश पर 4 मुकदमे दर्ज है इन शातिर अपराधियों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 413 का प्रयोग किया गया है गुड वर्क करने वाली पुलिस टीम को 10 हजार रुपयों का इनाम दिया जाएगा

महंगाई के चलते लोगों की पहुंच से दूर हो रही सब्जियां

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा -सकीट- टमाटर के बाद अब सभी प्रकार की सब्जियों पर महंगाई की मार लोगों का जेब एवं रसोई का बजट बिगाड़ रही है। इतना ही नहीं गरीब तबके के लोगों की पहुंच से तो हरी सब्जियां पूरी तरह दूर हो गई है। कस्बा क्षेत्र के लोगों का सब्जियों पर बढ़ती महंगाई जेब बजट बिगाड़ रही है। कस्बा की सब्जी मंडी में तोरई 50 से 70 रुपये प्रति किलो तथा लोकी 40 रुपये प्रति किलो मिल रही है। वहीं बेंगन 60, अरबी 50 एवं आलू 20 से 30 रुपये प्रति किलो मिल रहा है। अदरक 250 रुपये प्रति किलो होकर रिकार्ड तोड़ रही है। वहीं बारिश से पहले तक 20 रुपये प्रति किलो मिलने वाला टमाटर कस्बा की मंडी में अब 150 रुपये प्रति किलो मिल रहा है। मध्यम एवं गरीब तबके के लोगों की पहुंच से सब्जियां दूर हो गई हैं। सकीट में फुटकर विक्रेता शहर से भी अधिक महंगी सब्जी बेच रहे हैं। अदरक व टमाटर ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 20 रुपये प्रति किलो बिक रही तोरई 60 रुपये प्रति किलो खरीदनी पड़ रही है। बढ़ती महंगाई के कारण सब्जी खाना मुश्किल होता जारहा है।-सर्वेश कुमारी, सकीट।

सम्पूर्ण समाधान दिवस आज

निशाकांत शर्मा -क्यूँ न लिखूँ सच

एटा -सम्पूर्ण समाधान दिवस 15 जुलाई को डीएम एटा सदर तहसील में करेंगे जनसुनवाई जनता की समस्याओं,शिकायतों को शासन की मंशानुसार एक ही स्थान पर त्वरित गति से निस्तारण करने के उद्देश्य से, जनपद की तीनों तहसीलों में 15 जुलाई शनिवार को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 02 बजे तक सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा, संशोधित रोस्टर के अनुसार जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल तहसील एटा सदर में,एडीएम वित्त एवं राजस्व आयुष चौधरी अलीगंज तहसील में, एडीएम प्रशासन आलोक कुमार जलेसर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग करेंगे, समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण तहसील एटा सदर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में स्वयं प्रतिभाग करेंगे

डीसी ने बाढ़ प्रभावित चार गांवों में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया,500 सूखे राशन किट, सेनेटरी पैड और तिरपाल वितरित किए

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - जमीनी स्तर पर चल रहे राहत और बचाव उपायों का जायजा लेने के लिए, डिप्टी कमिश्नर सुरभि मलिक ने शुक्रवार को लुधियाना पश्चिम सब-डिवीजन में आने वाले बाढ़ प्रभावित गांवों का तूफानी दौरा किया और सूखे राशन किट सैनिटरी पैड और तिरपाल वितरित किए। मलिक ने खैरा बेट, न्यू खैरा बेट, अलाउवल, भोलेवाल और आसपास के इलाकों का दौरा कर जमीनी स्तर पर स्थिति का जायजा लिया और कहा कि जिला प्रशासन जनहानि को कम करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।

उन्होंने लोगों से बातचीत की और कहा कि राज्य में भारी बारिश के कारण फसलों, घरों, जानवरों और अन्य को हुए नुकसान का पता लगाने के लिए एक सर्वेक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रकृति के प्रकोप से लोगों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मलिक ने कहा कि लोगों को घबराना नहीं चाहिए क्योंकि प्रशासन स्थिति पर नियमित नजर रखकर उनकी सेवा के लिए मौजूद है। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि वे किसी भी बात की चिंता न करें क्योंकि प्रशासन पहले से ही स्थिति को सामान्य करने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है। उपायुक्त ने 500 सूखे राशन किट, गेहूं का आटा, चीनी, चाय, चावल, दाल, साबुन, पेस्ट, टूथब्रश के अलावा महिलाओं के बीच 200 सेनेटरी पैड और तिरपाल वितरित किए।

इस मौके पर एसडीएम वेस्ट डॉ. हरजिंदर सिंह, जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन शरणपाल सिंह मक्कड़ और अन्य भी मौजूद थे।

कालाबाजारी करने वाले फार्मासिस्ट के आवास में दवाओं का अवैध स्टाक देढ सप्ताह से डॉक्टर गायब

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद जिलाधिकारी के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शमशाबाद पर की गई छापेमारी में स्वास्थ्य विभाग की पोल खुल गई दबाव की कालाबाजारी करने वाले चर्चित फार्मासिस्ट के आवास में सीएससी की दवाओं का अबोध स्टाक मिला जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने आज दोपहर बाद 1.12 बजे शमशाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर अचानक छापा मारकर व्यापक जांच पड़ताल की सीएचसी में तैनात कार्मिको की उपस्थिति औचक रूप चेक की गई डा0 निशा सिंह, दन्त चिकित्सक 4 जुलाई से लगातार बिना किसी अवकाश के अनुपस्थित थी शिवरतन डब्लू एस भी अनुपस्थित पाये गये डीएम ने कायमगंज के उप जिला अधिकारी यदुवंश को बुलाकर फार्मासिस्ट विजय यादव के परिसर में निर्मित सरकारी आवास का व्यापक निरीक्षण कराया फार्मासिस्ट विजय यादव के आवास में अनाधिकृत रूप से काफी मात्रा में सरकारी औषधियाॅ रखी हुई थी विजय यादव फार्मासिस्ट के संबंध में निरन्तर शिकायते प्राप्त हो रही थी कि वह सरकारी औषधियों की बिक्री अपने सरकारी आवास से करके अनुचित धन अर्जित करते हैं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आने वाले मरीजो को औषधियों से वंचित करते हैं जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को समस्त प्रकार की औषधियों की सूची बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिया मुख्य चिकित्साधिकारी को भी मौके पर पहुँचकर कठोर वैद्यानिक दण्डात्मक कार्यवाही करने की हिदायत दी गई अनुपस्थित दन्त चिकित्सक डा0 निशा सिंह एवं डब्लू एस श शिवरतन के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिये गये जिले के अनेकों अस्पतालों के फार्मासिस्ट हजारों रुपए कीमती दवाओं का स्टॉक अपने आवास पर रखते हैंवह अपने शुभचिंतकों को दवाइयां देकर वाहवाही लूटते हैं

सरकारी दवाइयों को बाजार में बेचकर अच्छी खासी कमाई भी करते हैं भाजपा सरकार में सरकारी कर्मचारियों के मजे हैं वह रिश्वत लेकर सीना तान कर भ्रष्टाचार कर काफी ऊपरी आमदनी करते हैं भाजपा नेता उनका बाल बांका भी नहीं कर पा रहे हैं मुख्यमंत्री योगी को अपराधियों के साथ ही इन सफेदपोश कर्मचारियों पर भी बुलडोजर चलाना चाहिए

रिठौरा अब सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।नगर पंचायत रिठौरा में नगर की सुरक्षा के लिए अब तीसरी आंख सीसीटीवी कैमरे बरेली -पीलीभीत हाइवे पर लगवाए गए हैं। जिससे नगर में अब कोई भी अपराध करने वाला व्यक्ति कैमरे में कैद हो जाएगा।इस सन्दर्भ में चेयरमैन प्रतिनिधि अमित गुप्ता ने बताया नगर में शान्ति व्यवस्था एवं सुरक्षा की दृष्टि से यह कैमरे लगवाए गए हैं। शीघ्र ही भंडसर रोड, भोजीपुरा मार्ग पर भी कैमरे लगवाकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की जाएगी।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कर्मचारी प्रभजोत सिंह के अंतिम संस्कार के अवसर पर जिला अध्यक्ष/चेयरमैन शरण पाल सिंह मक्कड़ पहुंचे

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कर्मचारी प्रभजोत सिंह की पिछले दिनों सड़क हादसे में मौत हो गई। प्रभजोत सिंह अपने घर से ऑफिस आते समय साहनेवाल के पास जी. टी. रोड पर एक दुर्घटना हुई थी। जिला अध्यक्ष लुधियाना/ चेयरमैन जिला वित्त एवं योजना समिति शरण पाल सिंह मक्कड़ परिवार के घर

आज शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। चेयरमैन शरण पाल सिंह मक्कड़ ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दुख की इस घड़ी में परिवार को शक्ति प्रदान करें और दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें। चेयरमैन शरण पाल सिंह मक्कड़ ने कहा कि प्रभजोत सिंह सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के एक समर्पित कर्मचारी थे, जो डीपीआरओ लुधियाना पुनीत पाल सिंह गिल के साथ कार्यरत थे। उन्होंने आगे कहा कि दुख की इस घड़ी में वह व्यक्तिगत रूप से परिवार के साथ खड़े हैं।

लोगों को जल जनित या वेक्टर जनित बीमारियों से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - जिले के विभिन्न हिस्सों में संभावित बाढ़ जैसी स्थिति को देखते हुए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, लुधियाना ने लोगों को जल-जनित या मच्छर जनित बीमारियों से बचाने के लिए एक स्वास्थ्य सलाह जारी की है। पानी जमा होने से ऐसी बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ जाती है। सिविल सर्जन लुधियाना डॉ. हितिंदर कौर ने कहा कि ऐसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों को सुरक्षित और स्वस्थ रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग हर समय अलर्ट पर है और विभाग प्रभावित क्षेत्रों में 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। सिविल सर्जन ने कहा कि यदि मामलों का कोई समूह (यानी एक ही इलाके में संक्रामक रोगों के 3 से अधिक मामले) देखा जाता है, तो निकटतम स्वास्थ्य संस्थानों को तुरंत सूचित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान दूषित पानी और कीड़ों के काटने से त्वचा में बैक्टीरिया का संक्रमण आम है और लोगों को ऐसे संक्रमण से बचने के लिए रबर के जूते और पूरी बाजू के कपड़े पहनने की सलाह दी जाती है। किसी भी प्रकार के उपचार का लाभ उठाने के लिए नजदीकी स्वास्थ्य संस्थानों की सेवाएं लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ के पानी में न जाएं क्योंकि बाढ़ के दौरान सांप का काटना भी आम बात है. यदि आपको पानी में प्रवेश करने की आवश्यकता है, तो उचित लम्बे जूते पहनें। सांप के काटने पर मरीज को जल्द से जल्द नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए लार्विसाइड का छिड़काव करने का भी निर्देश दिया।

प्रतिबंधित कीटनाशक बेचने वाली एक कंपनी कृषि विभाग की गिरफ्त में आ गई

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां के आदेशों और कृषि निदेशक डॉ. गुरविंदर सिंह के निर्देशों के तहत मुख्य कृषि अधिकारी लुधियाना डॉ. नरिंदर सिंह बनीपाल के नेतृत्व में गठित टीम ने प्रतिबंधित कीटनाशक बेचने वाली एक कंपनी को पकड़ा है। मेसर्स सुमिल केमिकल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, बलराज कॉम्प्लेक्स-2, वेयरहाउस नंबर 2 और 3, जरखड़ रोड, गांव जरखड़, जिला लुधियाना के संबंध में जानकारी मिलने पर विभाग के अधिकारियों द्वारा कंपनी के बिक्री केंद्र-सह-गोदाम की जांच की गई और ग्लाइपोशेट 71त्र एस.जी. का कीटनाशक अमोनियम साल्ट पाया गया, जो पंजाब राज्य में प्रतिबंधित है। कंपनी द्वारा किसानों को महंगे दाम पर बेची जा रही दवा पर पंजाब सरकार के आदेशानुसार वर्ष 2018 से पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसलिए कंपनी के जिम्मेदार सुकेतु दोशी, अनिल कुमार, हजारी लाल जैन, जगदीप सिंह, विनोद शाह और बिमल दीपक शाह पर कीटनाशक अधिनियम 1968 के तहत उचित कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

कृषि निदेशक डॉ. गुरविंदर सिंह ने कहा कि विभाग किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही और कानून की अवहेलना बर्दाश्त नहीं की जाएगी । उन्होंने किसानों से भी अपील की और कहा कि दवा खरीदते समय पक्का बिल लेने का ध्यान रखें और कीटनाशकों का प्रयोग कृषि अधिकारियों की सलाह से ही करें।

यूपी बोर्ड को हाईकोर्ट से राहत, मुस्लिम से हिंदू नाम बदलने के निर्देश पर हाईकोर्ट की डबल बेंच ने लगाई रोक

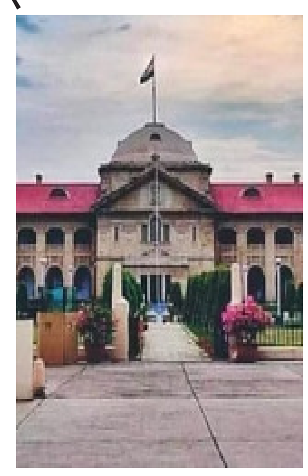

इलाहाबाद हाईकोर्ट की डबल बेंच ने अपने ही कोर्ट के एकल जज के उस आदेश के अमल पर रोक लगा दी जिसके द्वारा यूपी बोर्ड को निर्देश दिया गया था कि वह याची का नाम शाहनवाज से एमडी समीर राव अपने रिकॉर्ड में परिवर्तन करे। यही नहीं एकल जज ने यूपी बोर्ड के उस प्रावधान को भी असंवैधानिक करार दिया था, जिसके द्वारा इस तरह के नाम परिवर्तन की अनुमति नहीं दी गई है। यह आदेश जस्टिस सुनीता अग्रवाल एवं जस्टिस एके गुप्ता की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से दाखिल विशेष अपील की सुनवाई करते हुए पारित किया। सरकार ने विशेष अपील दाखिल कर एकल जज द्वारा पारित 25 मई 2023 के आदेश को चुनौती दी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की डबल बेंच ने अपने ही कोर्ट के एकल जज के उस आदेश के अमल पर रोक लगा दी जिसके द्वारा यूपी बोर्ड को निर्देश दिया गया था कि वह याची का नाम शाहनवाज से एमडी समीर राव अपने रिकॉर्ड में परिवर्तन करे। यही नहीं एकल जज ने यूपी बोर्ड के उस प्रावधान को भी असंवैधानिक करार दिया था, जिसके द्वारा इस तरह के नाम परिवर्तन की अनुमति नहीं दी गई है। यह आदेश जस्टिस सुनीता अग्रवाल एवं जस्टिस एके गुप्ता की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से दाखिल विशेष अपील की सुनवाई करते हुए पारित किया। सरकार ने विशेष अपील दाखिल कर एकल जज द्वारा पारित 25 मई 2023 के आदेश को चुनौती दी थी। जिसमें याची के नाम परिवर्तन करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने सरकार को यह भी निर्देश दिया था कि इस तरह के मामले के लिए एक नीति भी बनाई जाए।

भगवंत मान सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए इंतजाम करने में हुई फेल-रजनीश धीमान

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - पंजाब के कई जिलों में बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है। आप सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों के प्रति कोई इंतजाम नहीं किया गया है।आज सात दिन से पंजाब के लोग भारी बारिश के कारण बाढ़ आने से पानी में रहने को मजबूर है।परंतु भगवंत मान सरकार ने अभी तक कोई कैबिनेट मीटिंग न बुलाकर और न ही कोई राहत पैकेज घोषित कर पंजाब की जनता के साथ धोखा किया है। उक्त शब्द जिला भाजपा अध्यक्ष रजनीश धीमान ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहे।उन्होंने कहा कि साफ जाहिर होता है कि आप सरकार और इसके विधायक सिर्फ सता के भूखे है।इनको पंजाब की जनता से कोई लगाव नहीं। रजनीश धीमान ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा हिमाचल में हो रही भारी बारिश से पंजाब के मैदानी इलाकों में पानी भरने का अलर्ट पहले ही जारी कर दिया था परंतु भगवंत मान सरकार के विधायक भगवंत मान की एनिवर्सरी मनाने में ही व्यस्त रहे और जब पूरा पंजाब बाढ़ की चपेट में आ गया तो सरकार कुंभकर्णी नींद से जागी। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री कांतेंदु शर्मा, नरेंद्र सिंह मल्ली, डा.कनिका जिंदल,जिला उपाध्यक्ष यशपाल जनोत्रा, डा.निर्मल नय्यर,प्रेस सचिव डा सतीश कुमार आदि मौजूद थे।

सीएम योगी ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल, जयकारों से गूंज उठा हाईवे, डीजे की धुन पर खूब थिरके शिवभक्त

मेरठ में दिल्ली-मेरठ हाईवे पर शुक्रवार को अचानक कांवड़ियों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा की। सीएम योगी सहारनपुर के बाद सीधे दिल्ली-मेरठ हाईवे पर पहुंचे,

जहां उन्होंने हजारों की तादात में उपस्थित शिवभक्तों पर दोनों हाथों से फूल बरसाए। सीएम के लिए हाईवे पर विशेष मंच बनाया गया था, जिस पर खड़े होकर उन्होंने पुष्प वर्षा की। वहीं, सीएम योगी को अपने बीच पाकर कांवड़ियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बैंड-बाजे और डीजे की धुन पर थिरकते हुए कांवड़ियों ने भी सीएम योगी का अभिनंदन किया। इस बीच शिवभक्तों की ओर से योगी-योगी, हर हर महादेव और जय भोले का उद्घोष भी सुनाई दिया। सीएम योगी के साथ जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद भी उपस्थित रहे। इससे पहले शुक्रवार दोपहर को अधिकारियों द्वारा शिवभक्तों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। हेलिकॉप्टर से प्रशासन, पुलिस के वरिष्ठ अफसरों ने आसमान से कांवड़ियों पर फूल बरसाए।मेरठ से बरनावा तक कांवड़ियों पर फूल वर्षा की गई। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार आने के बाद लगातार हर साल कांवड़ यात्रा में कांवड़ियों पर फूल बरसाए जाते हैं। कुछ दिन पहले वाराणसी में भी अफसरों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की थी।मेरठ पुलिस लाइन से कमिश्नर, डीएम समेत अन्य बड़े अधिकारियों ने हेलीकाप्टर से उड़ान भरी। हेलीकाप्टर से पूरे जिले और जनपद की सीमाओं में कांवड़ यात्रा का हवाई सर्वेक्षण किया गया। इसके बाद पुष्पवर्षा हुई। डीएम और एसएसपी ने मेरठ जिले में कांवड़ियों का स्वागत हेलीकॉप्टर से फूल बरसा किया। पुलिस लाइन, बेगमपुल, सिवाया टोल, मटौर, सकौती, दादरी, खतौली, सलावा, नानू पुल, पूठखास पुल, जानी पुल, निवाड़ी, मोहिद्दीनपुर, परतापुर इंटरचेज, सुभारती, कंकरखेड़ा फ्लाईओवर होते हुए औघड़नाथ मंदिर पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए गए।इसके बाद बागपत में पुलिस लाइन से रेलवे क्रासिंग, बरनावा पुलिस चौकी, गल्हैता गांव ओर पुरामहादेव मंदिर में पुष्पवर्षा हुई।

मौसम अपडेट: लखनऊ समेत यूपी के 50 से अधिक जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, जारी हुआ अलर्ट

मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। यूपी के 50 से अधिक जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। आने वाले दिनों में करीब-करीब पूरा उत्तर प्रदेश भारी बारिश की चपेट में आने वाला है। पूर्वी और पश्चिम यूपी के दोनों हिस्सों में जमकर बारिश होनी है। मौसम विभाग ने एक बार फिर से उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में भारी बारिश की चेतवानी दी है। इस क्रम में बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, फर्रुखाबाद, कन्नौज, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर व आसपास बहुत भारी बरसात से सचेत रहने को कहा गया है। वहीं लखनऊ समेत 50 से अधिक जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां बारिश के साथ बिजली गिरने जैसी घटनाएं भी हो सकती हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मानसून टर्फ बीकानेर, अलवर, ग्वालियर, सीधी, डाल्टनगंज, शांतिनिकेतन से होकर गुजर रहा है। चक्रवाती दबाव का क्षेत्र मध्य पाकिस्तान और आसपास बन रहा है। इसके कारण दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों में चक्रवाती स्थिति है। अभी कहीं भारी से बहुत भारी बरसात के आसार हैं। आकाशीय बिजली की भी आशंका बनी हुई है। चक्रवात की वजह से बारिश लगातार होती रहेगी।

शुक्रवार को नहीं हुई बरसात

यूपी की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को बारिश नहीं हुई। दिन में कुछ इलाकों में छिटपुट बरसात होने को छोड़ दें तो पूरा दिन सूखा रहा। बादलों की आवाजाही बनी रही। बीच में हल्की से लेकर तेज धूप निकलने से उमस की स्थिति भी बनी। शाम तक बादल छाए रहे लेकिन बरसे नहीं।

शहर में योगी सरकार के वादे हुए हवा हवाई बिजली विभाग को लेकर जगह-जगह जाम

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद शहर में योगी सरकार के वादे हुए थे बिजली को लेकर जगह-जगह जाम की स्थिति बनी हुई है बिजली विभाग के अधिकारी किसी के फोन नहीं उठा रहे जनता चौराहे चौराहे पर जाम लगा रहे हैं 24 घंटे मैं बिजली 3 घंटे मात्र दी जाती है बच्चे स्कूल जाने के लिए परेशान रसोई घर में माता पहने खाना बनाने के लिए पानी बिजली की समस्या दिक्कतों का सामना करते हुए अपने मकान बिकाऊ के पोस्टर तक लगवा दिए गए हैं बजरिया रोड पर जाम लगाए लोग बैठे मकान बिकाऊ के पोस्टर लगाए हैं

ऐसा 20 सालों में देखने को नहीं मिला जैसे बिजली की काफी समस्याएं आ गई हैं एसडीओ यही का फोन भी लगाया लाइनमैन तक फोन उठाने के लिए तैयार नहीं ऊर्जा मंत्री जी के ऑफिस में बात हुई में तो उन्होंने समस्या खत्म करने के लिए आश्वासन दिया फर्रुखाबाद शहर की बिजली की समस्या पानी की समस्या को लेकर जनता त्राहि-त्राहि मान रही है

Virat Kohli left Virender Sehwag behind in this matter, now eyeing on Laxman's record

Virat Kohli is stuck at the crease after scoring 36 runs with the help of a four. With this, he completed 8500 runs in Test format. Kohli has now become the fifth Indian batsman to do so. Team India's run machine Virat Kohli achieved a special feat while batting on the second day of the first Test being played in Dominica with the West Indies. On the first day of the match,

West Indies were reduced to a score of 150 in the first innings, in response to which Rohit Sharma and young batsman Yashasvi Jaiswal played a key role in giving the team a lead of 162 runs, starting a strong innings from India. After captain Rohit Sharma was dismissed for 103, Shubman Gill returned to the pavilion for just six runs, after which Virat along with Yashasvi handled the innings. Virat and Yashasvi remained at the crease till the end of the second day's play. During the batting, Virat Kohli left behind former Indian opener Virender Sehwag in terms of runs. Kohli left Sehwag behind - Virat Kohli is standing at the crease after scoring 36 runs with the help of a four. With this, he completed 8500 runs in Test format. Kohli has now become the fifth Indian batsman to do so. In this case, King Kohli has left behind former batsman Virender Sehwag. After an unbeaten 36 against the West Indies, Virat's total runs in Test format have reached 8515. Highest run scorer in Tests by an Indian - Match run average 100 50 Sachin Tendulkar 200 15921 53.78 51 68 Rahul Dravid 163 13265 52.63 36 63 Sunil Gavaskar 125 10122 51.12 34 45 VVS Laxman 134 8781 45.97 1 7 56 Virat Kohli 110* 8515* 48.93 28 28 Virender Sehwag 103 8503 49.43 23 31 Kohli becomes fifth Indian batsman - Virat Kohli has become the fifth Indian batsman to score the most runs in Tests. Now his next target is VVS Laxman, who scored 8,781 runs in Tests. Before Virat and Laxman, there are Sunil Gavaskar, Rahul Dravid and Sachin Tendulkar who have crossed the 10,000 mark in Tests. Sunil Gavaskar was the first Indian batsman to reach the 10,000 mark in Tests. Apart from him, Team India's current coach Rahul Dravid has scored 13,265 runs and Sachin Tendulkar has scored 15,921 runs. At the end of the second day's play in Dominica, India have scored 312 runs for the loss of two wickets, taking a 162-run lead over the hosts. Jomel Warrican and Alyque Athanaj took one wicket each for the West Indies.

Two IPL star players played match-winning innings, even Russell's fours and sixes could not win

Major League Cricket Two star players of IPL, playing match-winning innings, have won Texas Super Kings by 69 runs in the first match of the league. Devon Conway scored a half-century in 37 balls. On the other hand, David Miller also scored a half-century. Major League Cricket has started in America. The first match of the inaugural season was played on 13 July between the Texas Super Kings (TSK) and the Los Angeles Knight Riders (LAKR). The

league's historic match was played at Grand Prairie Stadium in Dallas. Captains of both the teams Texas Super Kings is captained by Faf du Plessis and Los Angeles Knight Riders is captained by Sunil Narine. LAKR won the toss and decided to bowl first. TSK has won the match by 69 runs. Faf du Plessis returned to the pavilion on 0- If we talk about TSK, then captain du Plessis had to return to the pavilion on 0 while batting first. The team has openers like Devon Conway, who scored a half-century in 37 balls while playing a brilliant inning in this match. Apart from this, David Miller scored the most runs for the team, who scored 61 runs in 42 balls with a half-century and also became the man of the match in the first match of the league. 4 wickets for 8 runs – The team set a target of 181 runs after losing 6 wickets in front of LAKR. Talking about bowling, Mohammad Mohsin bowled brilliantly and took 4 wickets for only 8 runs as a record. Rusty Theron took 2 wickets for 16 runs. LAKR batting – While batting in the second innings, the entire LAKR team returned to the pavilion for 112 runs. No batsman could last long in front of Mohammad Mohsin. However, Andre Russell scored 55 runs in 34 balls for the team and Jaskaran Malhotra scored 22. LAKR could not escape Mohsin's amazing ball - apart from this, all the batsmen were on personal scores of 1, 10, 15. Returned to the pavilion. In bowling, TSK took 2 for 40 and Lockie Ferguson took 2 for 23 in bowling. With the magic of Mohsin's ball, the entire LAKR team returned to the pavilion in 14 overs and TSK won the match by 69 runs.

Yashasvi set a flurry of records, became the first Indian opener to score a century in debut test abroad

Shreyas Iyer scored a century for India in the last debut test before Yashasvi. He scored 105 against New Zealand in 2021 at Kanpur. Lala Amarnath was the first Indian player to score a century on Test debut for India. Young Mumbai batsman Yashasvi Jaiswal has scored a brilliant century in his international debut. Yashasvi made his debut against the West Indies in Dominica. He scored a century in the first innings on Thursday (July 13) on the second

day of the Test match. Yashasvi shared a 229-run partnership with captain Rohit Sharma. Rohit got out after scoring 104 runs. Yashasvi created a flurry of records by putting hundreds. He is the 17th batsman from India to score a century on debut. Shreyas Iyer had scored a century for India in the last Test before Yashasvi. He scored 105 against New Zealand in

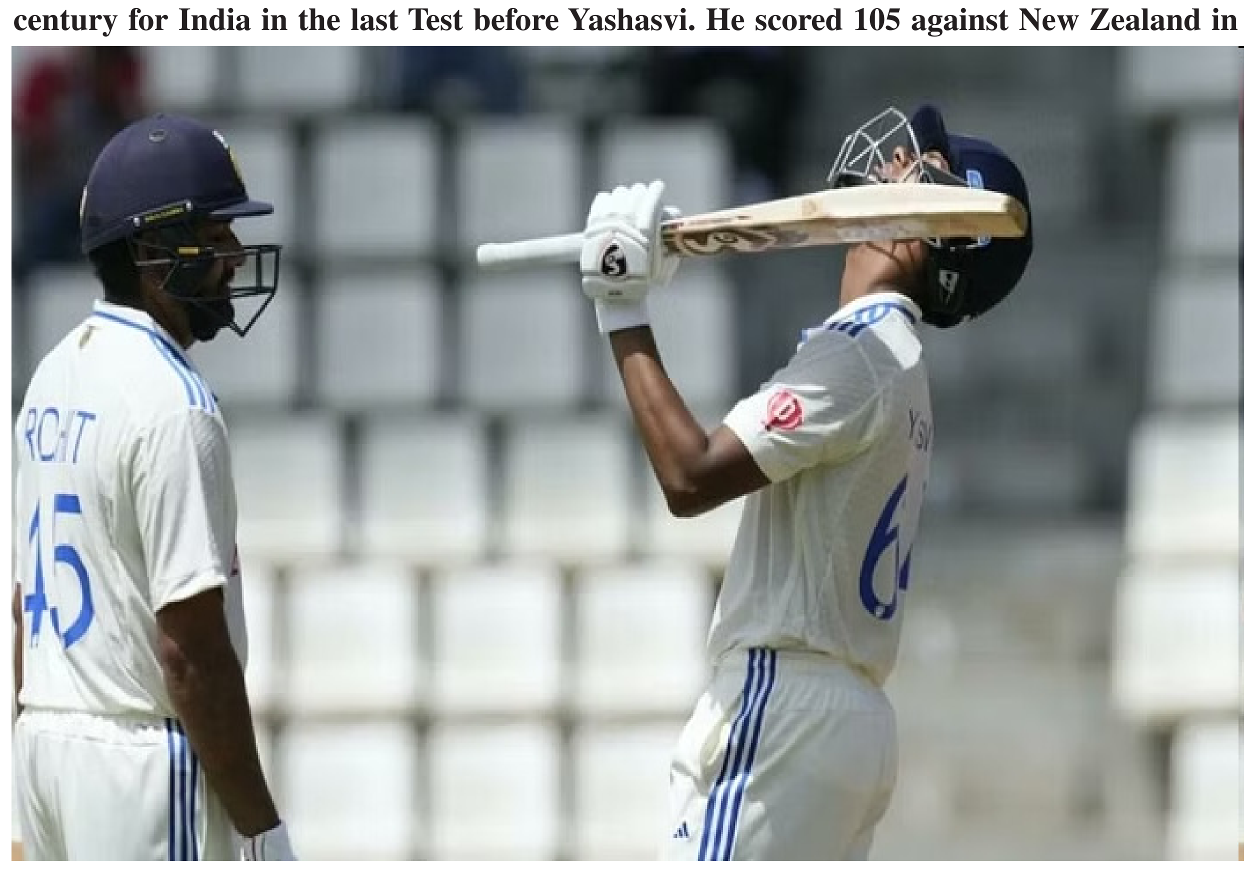

2021 at Kanpur. Lala Amarnath was the first Indian player to score a century on debut Test for India. He scored 118 runs against England in 1933. Yashasvi created history- Talking about Yashasvi, he is the third Indian opener to score a century in the debut test. Shikhar Dhawan did it in 2013 against Australia in Mohali and Prithvi Shaw did it in 2018 against West Indies in Rajkot. Yashasvi created history by scoring a century in the very first Test while debuting on foreign soil. He is the first Indian opener to do so. Not only this, he is the third player to score a century on debut against the West Indies. Rohit Sharma scored 177 runs in Kolkata in 2013. At the same time, Prithvi Shaw scored 134 runs in 2013 in Rajkot. Youngest Batsman to Score a Century on Test Debut for India - Player Against Field Age Prithvi Shaw West Indies Rajkot 2018 18 years, 329 days Abbas Ali Baig England Old Tafford 1959 20 years, 126 days Gundappa Vishwanath Australia Kanpur 1969 20 years, 276 days Yashasvi Jaiswal West Indies Dominica 2023 21 years, 196 days Mohammad Azharuddin England Kolkata 1984 21 years, 327 days Rohi Sharma and Yashasvi faced more than 450 balls - India captain Rohit Sharma and Yashasvi Jaiswal faced a total of 454 balls. Surpassed Murali Vijay and Shikhar Dhawan in terms of facing the most balls in an innings by an Indian opening pair. Vijay and Dhawan did not let a single wicket fall for 407 balls against Bangladesh at Fatullah in 2015. The pair of Virender Sehwag and Rahul Dravid faced 461 balls against Pakistan in Lahore in 2006. In this case, the pair of Rohit Sharma and Mayank Agarwal is at the top. Both played 492 balls against South Africa in Visakhapatnam in 2019. 6th time both Indian openers scored centuries in an innings away Year Batsman Against Ground - 1936 Vijay Merchant and Mushtaq Ali England Old Trafford 1985-86 Sunil Gavaskar and Chris Srikkanth Australia Sydney 2006 Virender Sehwag and Rahul Dravid Pakistan Lahore 2007 Wasim Jaffer and Dinesh Karthik Bangladesh Mirpur 2015 Murali Vijay and Shikhar Dhawan Bangladesh Fatullah 2023 Yashasvi Jaiswal and Rohit Sharma West Indies Mini West Indies Rohit-Yashasvi create history - Rohit Sharma and Yashasvi Jaiswal's opening pair become the highest run partnership against the West Indies. Went. Both broke the records of Sehwag and Sanjay Bangar. The pair of Bangar and Sehwag shared a 201-run partnership in Mumbai in 2002. Sehwag and Jaffer added 159 runs at Grosse Eisel in 2006. In 1978, Sunil Gavaskar and Chetan Chauhan shared a 153-run partnership in Mumbai. At the same time, in 1976, the pair of Gavaskar and Anshuman Gaikwad added 136 runs in Kingston.

Hrithik Roshan's message to Dada Roshan Lal Nagrath, moist eyes by writing an emotional note on his 106th birth anniversary

The actor has a strong fan following on social media. Hrithik is also famous among fans as Greek God. Now recently, Hrithik has written an emotional note by posting an old picture of his grandfather Roshan Lal Nagrath.Bollywood veteran actor Hrithik Roshan is often in media headlines for one reason or the other. Sometimes about his films and sometimes about

his personal life. The actor has a strong fan following on social media. Hrithik is also famous among fans as Greek God. Now recently, Hrithik has penned an emotional note by posting an old picture of his grandfather Roshan Lal Nagrath. Hrithik wrote an emotional note for his late grandfather- Recently, Hrithik posted a picture of his late grandfather on his official Instagram handle and told his fans that today is his 106th birth anniversary. Hrithik revealed that he is extremely proud to be a part of his lineage. Playing his grandfather's song 'O Re Taal Mile Nadi Ke Jal Mein' in the 1968 film 'Anokhi Raat', Hrithik wrote, 'Today is the 106th birth anniversary of my grandfather Roshan, whose name I have inherited.'Roshan. Hrithik proud to be a part of Vansh- Hrithik further wrote, 'Though I never had the honor of meeting him, learning from him or experiencing his love physically, I have found a priceless treasure. His work and his music. He has a way of transcending time through his art. Their songs have been the foundation of the Roshan family's journey and I am extremely proud to be a part of their extraordinary lineage. Celebrating my Daduji's immortal legacy through one of my favorite songs. I celebrate this song even more because my daduji never got a chance to celebrate its success. He passed away soon after recording this scintillating track. He was 40 years old. From fans to celebs showered love on the post – Hrithik's post is getting a lot of love from Bollywood celebs and the audience. In the comments section of the post, Anil Kapoor reacted to the post with a heart and raised hand emoji. Apart from this, a user wrote, 'He was such a great musician that generations can learn pure music from his excellent work.'

Amisha Patel told the reason for staying away from the industry for years, raised questions on Bollywood films

Actress Ameesha Patel will soon be seen in the film 'Gadar 2' opposite Sunny Deol. The actress will make an appearance on screen after a long time. Please tell that Ameesha stayed away from Bollywood for a long time. Fans often want to know that why did their favorite actress stay away from the industry despite achieving considerable success? Recently, Amisha herself clarified the reason for this. Ameesha Patel believes that Bollywood is no longer making films worth remembering. This is the reason why he kept himself away from the silver screen. Recently during a media interview, Ameesha said, 'It is very difficult to match the level of films like 'Bhool Bhulaiyaa', 'Humraaz', and 'Honeymoon Travel'. The actress further said that films like 'Honeymoon Travel Pvt Ltd' were not made at that time. During the conversation, the actress also praised Farhan Akhtar a lot. Amisha said, 'Farhan Akhtar is starting the vision of a new cinema from his production house. He has always taken risks and challenges. He has done commercial cinema, but has also done roles outside of it'. Ameesha Patel further hoped that maybe after 'Gadar 2' some good films would come in her bag. He said, 'In today's time, good stories are not being written in films. In the past few times, such films have been made in Bollywood which cannot be remembered. Not only me, but every actor is aspiring to do something different, but this thing is very rare in today's time. I am hoping that after 'Gadar 2' some good opportunities will come my way. Talking about the film 'Gadar 2', Sunny Deol and Utkarsh Sharma are going to be seen in lead roles along with Ameesha in this film. The film will hit the theaters on August 11. It is a sequel to the 2001 film Gadar: Ek Prem Katha, which starred Sunny Deol and Ameesha.

On the success of The Kerala Story, Ada Sharma told herself Lucky, said- 'This doesn't happen with everyone'

The Kerala Story Actress Adah Sharma Exclusive Interview Adah Sharma's film The Kerala Story has become the blockbuster film of the year 2023. Made in a low budget, this film earned several hundred crores. However, along with the success, the film also faced a lot of controversies. Adah Sharma's film The Kerala Story made a splash at the box office. The shocking story of the film was liked by the audience. The Kerala Story also faced a lot of controversies before its release, but this did not affect the success of the film. Even The Kerala Story was banned in some states, but the film pulled the audience to the theatres. The tremendous success of the film brought a lot of limelight to actress Adah Sharma. Adah has been associated with the film industry for the past several years, but The Kerala Story proved to be a milestone in her career. Adah Sharma is extremely happy about the success of The Kerala Story. The actress talked about the film in an exclusive conversation. He also shared his opinion on the controversy surrounding The Kerala Story. Along with this, he also reacted to Kamal Haasan and Naseeruddin Shah's objections to the film. How has your life changed after the success of The Kerala Story? - My life is still the same. Career wise it has been good that now I have many offers and many roles to choose from. My life is not just films, it is much more than that. My family, music and animals are all big parts of my life. Movies are just a part. What was your reaction when actors like Naseeruddin Shah and Kamal Haasan voiced their opinion against the film? I am happy to have freedom of speech in our country, where a film can be spoken against, labeled and publicly torn apart without even watching it. One can say anything about anyone and live without any harm, that is the beauty of India. I love my country. People with different views can live together. The most surprising thing here is that such big actors openly expressed their opinion about the film, yet people decided to watch the film talking against terrorism and supported it by going to theatres. After the overwhelming response to the film, you must have received a lot of compliments from people around you. Who praised the most? - When a film does well, everyone in the industry, including theatres, rejoices. Life is moving forward in the film industry, jobs are increasing for people, a female lead film is doing well, that's even greater happiness. I am sure my co-workers must be rejoicing at their homes. Some of my friends are shocked at the moment. I think this kind of reaction was expected with the film because it is such a shocking film. It is still running in theaters two months after its release. As actors, we are all asked about each other's films and our views. So the best compliment I will get is when the media asks him how he liked the film. When you (media) asked the audience outside the theaters how they liked the film, I was over the moon after hearing the praise. 'The Kerala Story' has become the highest grossing women centric film. What would you like to say about this? It feels really great that I can celebrate the success with the audience. People are calling it their film, people who were touched by the film put up billboards on the streets, pasted posters, made paintings and booked shows. The videos of people crowding inside the theaters and outside the theaters after the movie was over looked like a dream. It's a magical experience and I know it doesn't happen to everyone. I am very lucky. The Kerala Story faced a lot of controversies. Do you think the film has benefited from these controversies? - Many films released before and after The Kerala Story were linked to controversies and there was a lot of debate on news channels, probably more than our film, But it could not ensure that people would like the film. So I think no matter what reasons one wants to attach to the success of a film or how much pleasure one gets by defaming a film, it has been proven time and again that for a film to be successful it needs to be well-executed with good performances. There should be a film, there should be proper direction and there should be emotions, which can connect with people.